संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 225
पृष्ठ 8
मंगलवार
05 मई 2026
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में सेहत के साथ स्वाद...
विचार- ईरान को लेकर पाक की कूटनीति
खेल- तीनों फॉर्मेट खेलने को लेकर...

श्यामा प्रसाद की जन्मस्थली में लहराया भगवा, बंगाल में पहली बार बनेगी भाजपा सरकार

नयी दिल्ली,एजेंसी। जैसे ही भारतीय चुनाव आयोग द्वारा जारी रुझानों में सोमवार को पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बढ़त दिखाई दी, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने यह अनुमान लगाया कि यह पहली बार होगा जब पार्टी इस राज्य में सरकार बनाएगी. यह राज्य भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मभूमि है। खास बात यह है कि भाजपा, भारतीय जनसंघ की राजनीतिक उत्तराधिकारी है। भाजपा सांसद विनोद तावड़े ने कहा, बंगाल में भाजपा की जीत देश की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है।ष उन्होंने जोर देकर कहा कि बंगाल में सत्ता बदलने से देश में भी कुछ बदलाव जरूर होंगे। उन्होंने कहा, तुष्टीकरण की राजनीति के लिए अब कोई जगह नहीं होगी। पश्चिम बंगाल के लोगों ने यह साबित कर दिया है कि झूठे वादों से चुनाव नहीं जीता जा सकता। तावड़े के मुताबिक, पिछले कई सालों से पश्चिम बंगाल में कोई भी चुनाव बिना किसी हत्या के नहीं हुआ था। उन्होंने कहा, लेकिन इस बार ऐसा मुमकिन हो पाया है। मुझे लगता है कि पूरा देश इस बात से खुश है। उन्होंने कहा, अब असम, बंगाल और पुडुचेरी के साथ, भाजपा की सरकार 25 राज्यों में होगी। यह विकसित भारत 2027 की दिशा में एक अच्छा कदम है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि एनडीए को देश की जनता का आशीर्वाद मिला है। उन्होंने एक न्यूज एजेंसी से कहा, लोगों का यह जनादेश पीएम मोदी के लिए है, ताकि वे गरीबों के लिए काम करते रहें और भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। मां, मानुष और माटी ने पूरे दिल से पीएम मोदी को आशीर्वाद दिया है। उन्होंने आगे कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि ममता बनर्जी के शासनकाल में ये तीनों, मां, मानुष और माटी, आंसू बहा रहे थे। धरती (माटी) अपने ही बच्चों के खून से लाल हो गई थी। लोग (मानुष) अत्याचार सह रहे थे। चुघ ने जोर देकर कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में मिला जनादेश यह साबित करता है कि पूरा देश पीएम मोदी के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा, यह उन सरकारों को एक जवाब है जो क्रूरता से काम कर रही हैं। देश संविधान के हिसाब से चलेगा, न कि किसी जिहादी सोच के आधार पर। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में कांग्रेस के पीछे रहने का जिक्र करते हुए चुघ ने आगे कहा, ये नतीजे इस बात का सबूत हैं कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अगले 100 चुनाव भी हारने वाले हैं।

तमिलनाडु में टीवीके का कमाल जोजफ विजय के वादों का पिटारा

- 8 ग्राम सोना, फ्री सिलेंडर और हर महीने 2500 रुपए
- अब टीवीके के वादे पर रहेगी सबकी नजर

चेन्नई,एजेंसी। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलागा वेट्ट्री कझगम (टीवीके) नए दल के रूप में चुनाव मैदान में उतरी है। पार्टी के सबसे बड़े दल बनने और सरकार बनाने की संभावनाओं के बीच विजय के चुनावी वादों पर अब लोगों की खास नजर है। इनमें सबसे चर्चित वादा विवाह के लिए महिलाओं को 8 ग्राम सोना देने का है, जिसकी अनुमानित कीमत 22 कैरेट में लगभग 1.40 लाख रुपये बताई जा रही है। टीवीके के घोषणापत्र में विजय ने 60 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये की सहायता, हर परिवार को सालाना छह मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर और गरीब दुल्हनों को सोने के साथ अच्छी गुणवत्ता वाली रेशमी साड़ी देने का वादा किया है। साथ ही, महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को 5 लाख रुपये तक ब्याज–मुक्त ऋण उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया गया है। घोषणापत्र में शिक्षा को प्राथमिकता दी गई है। स्कूल छोड़ने की समस्या रोकने के लिए सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की माताओं या अभिभावकों को हर साल 15,000 रुपये देने का वादा है। पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज के नाम पर 100 विशेष आवासीय स्कूल खोलने और उच्च शिक्षा के लिए 20 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराने की भी घोषणा की गई है। विजय ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मंत्रालय, एआई विश्वविद्यालय और एआई नगर स्थापित करने का भी वादा किया है। कृषि क्षेत्र में पांच एकड़ से कम भूमि वाले किसानों के पूरे फसल ऋण माफ करने और इससे अधिक भूमि वालों को 50 प्रतिशत ऋण माफी का वादा है। धान के लिए 3,500 रुपये प्रति क्विंटल और गन्ने के लिए 4,500 रुपये प्रति टन न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने का आश्वासन भी दिया गया है।युवाओं के लिए 5 लाख नए सरकारी नौकरियां सृजित करने, उतनी ही संख्या में भत्तायुक्त प्रशिक्षण और बेरोजगार स्नातकों को 4,000 रुपये मासिक सहायता देने का वादा किया गया है।

बंगाल, असम और पुडुचेरी में जीत पर धूमल-ठाकुर बोले- मोदी नेतृत्व पर बढ़ा जनविश्वास

हमीरपुर,संवाददाता। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल व भाजपा के स्टार प्रचारक एवं सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को प्रेस बयान जारी कर पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भाजपा की प्रचंड विजय को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर जनता के लगातार बढ़ते विश्वास का प्रमाण बताया है। धूमल ने इस जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बढ़ते जनविश्वास, राष्ट्रवादी सोच और भाजपा कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम बताया। प्रो. धूमल ने कहा कि विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिस साहस, समर्पण और संघर्ष का परिचय दिया, वह पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता सरकार के शासनकाल में भाजपा कार्यकर्ताओं को लगातार हिंसा, धमकियों और राजनीतिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र में अपनी आस्था बनाए रखी और हौसला कमजोर नहीं पड़ने दिया। यही समर्पण आज पार्टी की ऐतिहासिक जीत का आधार बना है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल में केवल चुनावी सफलता ही हासिल नहीं की, बल्कि जनता के मन में बदलाव और विकास की नई उम्मीद भी जगाई है। वर्षों से तुष्टिकरण, हिंसा और भ्रष्टाचार से परेशान जनता ने भाजपा के पक्ष में स्पष्ट जनादेश देकर यह संदेश दिया है कि देश अब विकास, सुशासन और राष्ट्रहित की राजनीति चाहता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने इस जीत में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रणनीतिक चुनावी योजना और संगठनात्मक क्षमता को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन और पार्टी संगठन की मजबूती ने भाजपा को यह सफलता दिलाने में अहम भूमिका निभाई। साथ ही स्थानीय नेतृत्व के प्रयासों से कार्यकर्ताओं में नया उत्साह देखने को मिला, जिसने चुनावी परिणामों को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि असम और पुडुचेरी में भी जनता ने भाजपा की विकासवादी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर भरोसा जताया है। यह परिणाम स्पष्ट करते हैं कि देश की जनता अब जातिवाद, तुष्टिकरण और परिवारवाद की राजनीति से ऊपर उठकर विकास और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे रही है।

वसुंधरा की झुग्गियों में लगी भीषण आग, आसमान में उठा धुएं का गुबार, दमकल की तत्परता से टला बड़ा हादसा

गाजियाबाद,संवाददाता। गाजियाबाद कमिश्नरेट क्षेत्र में सोमवार सुबह एक बड़ी आगजनी की घटना सामने आई, जिसने कुछ समय के लिए इलाके में अफरा–तफरी का माहौल पैदा कर दिया। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह 5रू31 बजे फायर स्टेशन वैशाली को सूचना मिली कि वसुंधरा सेक्टर–9 क्षेत्र में स्थित झुग्गी–झोपड़ियों में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग तत्काल हरकत मेंआया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजियाबाद और प्रभारी अग्निशमन अधिकारी वैशाली के नेतृत्व में तीन फायर टैंकरों को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंचने पर दमकल कर्मियों ने देखा कि करीब पांच झुग्गियां आग की चपेट में हैं और वहां से तेज लपटों के साथ घना काला धुआं उठ रहा है, जिससे आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अग्निशमन टीम ने बिना समय गंवाए चारों ओर से मोर्चा संभाला और हौज पाइप लाइन बिछाकर पंपिंग के जरिए आग बुझाने का कार्य शुरू किया। दमकल कर्मियों की सूझबूझ और तेज कार्रवाई के चलते आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया। इस दौरान सबसे राहत की बात यह रही कि फायर यूनिट की तत्परता के कारण आसपास स्थित अन्य मकानों को सुरक्षित बचा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। बताया गया है कि जिन झुग्गियों में आग लगी, वे शिलाजुद्दीन (निवासी मेरठ), मनीराम (निवासी मध्य प्रदेश), नरेश (निवासी हरदोई), राजेश (निवासी हरदोई) और महराज (निवासी मेरठ) की थीं।

बंगाल में भगवा लहर, अमित शाह बोले-

यहटीएमसी के भय परपीएम मोदी के भरोसे की जीत

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की 293 सीटों पर मतगणना जारी रहने के दौरान, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर अपनी महत्वपूर्ण बढ़त बनाए रखी है और साथ ही शुरुआती जीत भी दर्ज की है। वर्तमान में देखे तो भाजपा 205 सीटों पर या तो आगे है या जीत ली है। इस जीत को लेकर गृह मंत्री अमित शाह का बयान सामने आया है। अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि बंगाल की जनता को कोटि–कोटि नमन। यह प्रचंड जनादेश भय, तुष्टीकरण और घुसपैठियों के संरक्षकों को बंगाल की जनता का करारा जवाब है। यह ज्ब्ड के 'भय' के ऊपर नरेंद्र मोदी जी पर 'भरोसे' की जीत है। मेरे जैसे हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए यह गर्व का क्षण है कि गंगोत्री में माँ गंगा के उद्गम से लेकर गंगासागर तक आज हर जगह भाजपा का भगवा ध्वज शान से लहरा रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि बंगाल में भाजपा को मिली यह ऐतिहासिक जीत हमारे असंख्य कार्यकर्ताओं के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। यह उन परिवारों के धैर्य की जीत है, जिन्होंने हिंसा सहकर भी भगवा ध्वज नहीं छोड़ा। भाजपा की शून्य से आज प्रचंड बहुमत तक पहुँचने की इस कठिन यात्रा में जिन कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी, हिंसा झेली, यातनाएँ सहीं और फिर भी विचारधारा के पथ से डिगे नहीं, उन सभी कार्यकर्ताओं और उनके परिजनों को नमन करता हूँ। बंगाल की जनता ने इस प्रचंड बहुमत से भाजपा के उन सभी शहीद कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी है। शाह ने आगे लिखा कि बंगालवासियों ने घुसपैठियों और उनके हितैषियों को ऐसा सबक सिखाया है, जिसे तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली पार्टियाँ कभी भूल नहीं पाएँगी। बंगाल ने जिन आशाओं और आकांक्षाओं के साथ मोदी जी के नेतृत्व पर यह विश्वास जताया है, हम निश्चित रूप से उन्हें पूरा करेंगे।

पश्चिम बंगाल में कमल खिल उठा- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत पर खुशी जताई है। पीएम मोदी ने एक्स पर कई

पोस्ट किए हैं, जिसमें उन्होंने लिखा– पश्चिम बंगाल में कमल खिल उठा! पश्चिम बंगाल विधानसभा के 2026 के चुनाव हमेशा याद रखे जाएंगे। जनता की शक्ति की जीत हुई है और भाजपा की सुशासन की राजनीति विजयी हुई है। मैं पश्चिम बंगाल के प्रत्येक नागरिक को नमन करता हूं। जनता ने भाजपा को शानदार जनादेश दिया है और मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि हमारी पार्टी पश्चिम बंगाल के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। हम ऐसी सरकार प्रदान करेंगे जो समाज के सभी वर्गों को अवसर और सम्मान सुनिश्चित करे। पीएम मोदी ने एक दूसरे पोस्ट में लिखा– पश्चिम बंगाल में भाजपा की रिकॉर्ड तोड़ जीत पीढ़ियों से अनगिनत कार्यकर्ताओं के प्रयासों और संघर्षों के बिना संभव नहीं होती। मैं उन सभी को सलाम करता हूं।

जनता का भरोसा हमारा मार्गदर्शन करेगा-प्रियंका

नई दिल्ली,एजेंसी। केरल चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की शानदार जीत के बाद, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को राज्य की जनता को उनके जबरदस्त समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और उनके लिए बेहतर भविष्य के निर्माण की दिशा में अथक प्रयास करने का संकल्प लिया। ग पर एक पोस्ट में, गांधी ने कहा कि केरल में मेरे सभी भाइयों और बहनों, आपके विश्वास और अपार समर्थन के लिए धन्यवाद। आपने हम पर जो भरोसा जताया है, वह यूडीएफ के लिए मार्गदर्शक शक्ति होगा, क्योंकि हम आप सभी के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने की दिशा में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है

कि अगले पांच वर्षों के प्रत्येक दिन, ईमानदारी और विनम्रता के साथ आपके प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के हमारे प्रयास में, आपके प्रति हमारी कृतज्ञता स्पष्ट रूप से दिखाई देगी। वायनाड की सांसद ने कहा कि वायनाड में मेरे परिवार को, आपने भारी बहुमत से यूडीएफ पर अपना भरोसा फिर से कायम किया है दृ 7 में से 7 सीटें! अब आपके पास वायनाड के विकास के लिए मिलकर काम करने वाले 8 प्रतिनिधि हैं! हम आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा कि यूडीएफ के उन कार्यकर्ताओं और नेताओं को, जिन्होंने एकजुट और प्रगतिशील केरल का हमारा संदेश हर घर तक पहुंचाने के लिए दिन–रात मेहनत की, मेरी हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और आपके अथक प्रयासों के लिए आभार। चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार, यूडीएफ 95 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रहा था या जीत चुका था और 140 सदस्यीय विधानसभा में आराम से बहुमत हासिल करने की स्थिति में दिख रहा है। राज्य में एक दशक से अधिक समय से चल रहे एलडीएफ शासन के बाद यूडीएफ सरकार बनाने जा रहा है।

एसिड हमलों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: सजा बढ़ाने, आरोपी पर दोष साबित करने का बोझ डालने का सुझाव

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एसिड हमलों के मामलों में तेज से बढ़ने पर गंभीर चिंता व्यक्त की। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को ऐसे अपराधों के लिए सजा बढ़ाने पर विचार करने का सुझाव दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने यह भी कहा कि अपराध साबित करने का बोझ आरोपी पर डाला जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने निर्देश दिया कि जिन व्यक्तियों को जबरन एसिड पिलाया जाता है या आंतरिक चोटें आती हैं, भले ही कोई बाहरी विकृति न हो, उन्हें भी विकलांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत एसिड अटैक पीड़ित माना जाएगा। यह स्पष्टीकरण 2016 अधिनियम के लागू होने के समय से ही शामिल माना जाएगा। पीठ ने संबंधित मंत्रालय से इस मानित संशोधन को औपचारिक रूप से अधिसूचित करने की सराहना की। शीर्ष अदालत एसिड अटैक पीड़िता शाहीन मलिक द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में मांग की गई थी कि ऐसे पीड़ितों को कल्याणकारी योजनाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विकलांग व्यक्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाए। सुनवाई के दौरान, मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि एसिड हमलों के लिए निर्धारित मौजूदा सजा निवारक साबित नहीं हो रही है। उन्होंने कहा, मामलों की संख्या बढ़ी है।

ईडी को नोटिस जारी नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज, कहा, अधिकारी खुद को सुपर सीजेआई समझते हैं

नयी दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही रजिस्ट्री कार्यालय पर निशाना साधते हुए उसके रवैये को अनुचित करार दिया और कहा कि उसके अधिकारी खुद को सुपर सीजेआई (प्रधान न्यायाधीश) समझते हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 37,000 करोड़ रुपये से अधिक के कथित निवेश धोखाधड़ी के मामले में आरोपी आयुषी मित्तल उर्फ आयुषी अग्रवाल द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। प्रधान न्यायाधीश ने याचिका पर 23 .मार्च को पारित एक आदेश का हवाला दिया और आश्चर्य जताया कि रजिस्ट्री अधिकारियों ने यह कैसे समझा कि पीठ ने याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी नहीं किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, रजिस्ट्री ने बिल्कुल अनुचित व्यवहार किया है। रजिस्ट्री का यह रवैया बेहद बिल्कुल ठीक नहीं है... यहां बैठा हर व्यक्ति खुद को सुपर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया समझता है। पीठ ने अपने नए आदेश में कहा, ईडी निदेशक को कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है और कहा गया कि ऐसा कोई आदेश पारित नहीं किया गया था। (शीर्ष अदालत के) न्यायिक रजिस्ट्रार इस बात का तथ्यान्वेषण करें कि 23 मार्च के हमारे आदेश का अर्थ ईडी को नोटिस जारी न करना कैसे है। प्रवर्तन निदेशालय को नोटिस भेजा जाए। याचिकाकर्ता आयुषी मित्तल, उनके पति और उनकी कंपनी पर बड़े पैमाने पर निवेश संबंधी धोखाधड़ी करने के आरोप हैं। बचाव पक्ष का दावा है कि निवेशकों को धनराशि का एक बड़ा हिस्सा लौटा दिया गया है, लेकिन फिलहाल ईडी द्वारा फ्रीज किए गए बैंक खातों में कई सौ करोड़ रुपये फंसे हुए हैं। पीठ ने 23 मार्च के अपने आदेश में मामले में पक्षकार राजस्थान सरकार के वकील द्वारा ईडी को कार्यवाही में पक्षकार बनाने के मौखिक अनुरोध को स्वीकार कर लिया था। इसका उद्देश्य यह निर्धारित करना था कि याचिकाकर्ता और उसके परिवार से संबंधित सभी चल और अचल संपत्ति को विधिवत कुर्क किया गया है या नहीं।

यूपी टीईटी–2026 :

अंतिम दिन 15 लाख 50 हजार अभ्यर्थियों ने कराया ऑनलाइन पंजीकरण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से यूपी टीईटी–2026 के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि तीन मई तक बढ़ाए जाने का लाभ प्रदेश के लगभग 50 हजार से अधिक ऐसे शिक्षकों को भी मिला है, जिन्होंने दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) माध्यम से डीएलएड किया है। उन्होंने भी ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। आयोग के सूत्रों के अनुसार रविवार की दोपहर तक 15 लाख 50 हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) की प्रक्रिया पूरी कर ली। आवेदन पत्र में संशोधन और शुल्क समाधान की अंतिम तिथि आठ मई है। शनिवार शाम तक 14 लाख 88 हजार अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया था। आयोग ने प्राथमिक स्तर (कक्षा एक से पांच) और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा छह से आठ) के लिए परीक्षा का विज्ञापन 20 मार्च को जारी किया था। ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया 27 मार्च से शुरू हुई थी। अभ्यर्थियों को निर्देश दिया गया है कि ओटीआर करने के बाद ही आवेदन करें। उप सचिव संजय कुमार सिंह के अनुसार, ओटीआर में सर्वर संबंधी समस्याओं को देखते हुए आवेदन, शुल्क जमा करने और संशोधन की तिथियों में बदलाव किया गया था।

एडेड जूनियर हाईस्कूल भर्ती 2021 : 9 मई तक हर हाल में ज्वाइनिंग के निर्देश

प्रयागराज। अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूलों में वर्ष 2021 की भर्ती प्रक्रिया को अंतिम रूप देते हुए निदेशक बेसिक शिक्षा ने सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को 9 मई तक चयनित अभ्यर्थियों की ज्वाइनिंग सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। कहा गया है कि उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त बेसिक स्कूल अध्यापकों की भर्ती एवं सेवा शर्तें (सातवां संशोधन) नियमावली 2019 के प्रावधानों का पालन करते हुए पूरी प्रक्रिया की विस्तृत सूचना उपलब्ध कराई जाए। वर्ष 2021 में सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूलों में प्रधानाध्यापक के 390 और सहायक अध्यापक के 1507 पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी। प्रदेश के 3049 एडेड जूनियर हाईस्कूलों में लंबे समय से शिक्षकों की कमी बनी हुई है, जिससे शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद वर्ष 2025 में 15 नवंबर से 5 दिसंबर तक काउंसलिंग कराई गई। इसके लिए 6 सितंबर 2022 को घोषित संशोधित परीक्षा परिणाम में सफल अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन लिए गए थे। हालांकि, विभिन्न कारणों से पदों की संख्या में कमी आई। वर्तमान स्थिति में सहायक अध्यापक के 634 पदों के सापेक्ष 621 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, जबकि प्रधानाध्यापक के 200 पदों के सापेक्ष 91 अभ्यर्थियों की चयन सूची जारी की गई है। विषयवार चयनित सहायक अध्यापकों की सूची संबंधित जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों को भेज दी गई है। इसमें हिंदी, गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, संस्कृत और सामाजिक विज्ञान विषयों के अभ्यर्थी शामिल हैं। निदेशक बेसिक शिक्षा प्रताप सिंह बघेल ने बताया कि वर्ष 2021 की भर्ती परीक्षा के संशोधित परिणाम (6 सितंबर 2022) के आधार पर अंतिम सूची में शामिल अभ्यर्थियों को विद्यालय आवंटन कर 9 मई तक हर हाल में ज्वाइनिंग कराने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

टीईटी 2026: दूरस्थ डीएलएड अभ्यर्थियों ने आवेदन समय सीमा बढ़ाने की मांग की

प्रयागराज। दूरस्थ डीएलएड अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2026 की आवेदन तिथि बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्हें आवेदन का समय भी कम मिला साथ ही सर्वर की दिक्कत के कारण भी कठिनाई सामने आई। अभ्यर्थियों का कहना है कि दूरस्थ डीएलएड अभ्यर्थियों को टीईटी 2026 में शामिल करने के उच्च न्यायालय के आदेश के बाद आयोग की ओर से समय पर व्यापक प्रचार–प्रसार नहीं किया गया।

आयोग ने 2 मई की शाम को अखबारों में प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति जारी की, जिसमें तीन मई तक आवेदन की अंतिम तिथि होने की बात कहीं गई। इस कारण हजारों अभ्यर्थी आवेदन नहीं कर पाए हैं। अभ्यर्थियों ने आवेदन की समय सीमा कम से कम तीन दिन बढ़ाने की मांग की है। देवरिया से पवन पाठक , जौनपुर से अश्वनी, वाराणसी से मनीष, गोरखपुर से सीमा आदि का कहना है कि रविवार की सुबह उन्हें जानकारी हुई, लेकिन सर्वर ही नहीं चल रहा है।

उधर, आयोग के उप सचिव संजय कुमार सिंह ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश से आच्छादित अभ्यर्थियों के लिए आयोग की आधिकारिक वेबसाइट 30 अप्रैल को ही खोल दी गई थी। किसी भी पात्र अभ्यर्थी को वंचित न रहना पड़े, इसके लिए 2 मई को विज्ञप्ति जारी की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी आवेदन उच्च न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेंगे। शुभम कुमार शुक्ला व 36 अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य याचिका से जुड़ा है। इस पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान से 18 माह का डीएलएड (ओडीएल मोड) करने वाले अभ्यर्थियों को अंतरिम राहत प्रदान की है।

न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि अंतिम निर्णय आने तक ये अभ्यर्थी टीईटी 2026 में शामिल हो सकते हैं। याचियों का तर्क था कि उन्हें टीईटी 2026 से वंचित किया जा रहा था, जबकि उच्चतम न्यायालय पूर्व में स्पष्ट कर चुका है कि 10 अगस्त 2017 तक सेवा में रहे और 18 माह का ओडीएल डीएलएड पूरा करने वाले शिक्षक पात्र माने जाएंगे। मामले की अगली सुनवाई 22 मई 2026 को निर्धारित की गई है।

मारपीट में पांच नामजद व दो अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। क्षेत्र में 24 अप्रैल को जमीन की पैमाइश के दौरान हुए विवाद और मारपीट के मामले में डीसीपी गंगा नगर के आदेश पर नवाबगंज पुलिस ने पांच नामजद व दो अज्ञात के खिलाफ दंगा करने समेत कई धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।

प्रतापगढ़ के हथिगवां थाना अंतर्गत जैसावा गांव निवासी जावेद आलम का लालगोपालगंज में एक जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पीड़ित के अनुसार, 24 अप्रैल को एसडीएम सोरांव के निर्देश पर राजस्व टीम विवादित जमीन की पैमाइश करने पहुंची थी।

आरोप है कि पैमाइश के दौरान विपक्षियों ने विवाद शुरू कर दिया। विवाद देख राजस्व कर्मी बिना पैमाइश पूरी किए लौट गए। उसी दिन शाम करीब पांच बजे जब जावेद आलम कर्बला के पास पहुंचा तो दूसरे पक्ष के लोगों ने उस पर हमला कर दिया।

शनिवार को डीसीपी गंगा नगर के आदेश पर नवाबगंज पुलिस ने मो. इमरान, मसीउद्दीन, मो. फैजान, आफताब, सचिदानंद उर्फ मोहित समेत दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

पूर्व सांसद प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी के पति का निधन, पीजीआई लखनऊ में ली अंतिम सांस

प्रयागराज। प्रयागराज की पूर्व सांसद और पूर्व मेयर डॉक्टर रीता बहुगुणा जोशी के पति पीसी जोशी का सोमवार को निधन हो गया। वह काफी दिनों बीमार चल रहे थे। पीजीआई लखनऊ में उन्होंने अंतिम सांस ली।

प्रयागराज की पूर्व सांसद और पूर्व मेयर डॉक्टर रीता बहुगुणा जोशी के पति पीसी जोशी का सोमवार को निधन हो गया। वह काफी दिनों बीमार चल रहे थे। पीजीआई लखनऊ में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनकी अंत्येष्टि मंगलवार को सुबह प्रयागराज में होगी। उनके निधन की खबर से जिले में शोक की लहर दौड़ गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीपी जोशी के निधन पर शोक जताया है।

भाजपा की पूर्व सांसद और यूपी की पूर्व कैबिनेट मंत्री रीता बहुगुणा जोशी के पति पीसी जोशी का सोमवार सुबह लखनऊ के एसजीपीजीआई में निधन हो गया। इसकी जानकारी खुद रीता बहुगुणा जोशी ने अपने एक्स अकाउंट पर दी। उन्होंने लगभग सुबह 7 बजे अंतिम सांस ली। निधन का समाचार मिलते ही परिजनों के साथ ही पार्टी और उनके समर्थकों में भी शोक की लहर दौड़ गई।

रीता बहुगुणा जोशी ने भी फेसबुक पर पोस्ट कर लिखा–ष्बड़े दुख के साथ आप सभी को सूचित किया जाता है कि मेरे पति पी.सी. जोशी का आज दिनांक चार मई को प्रातः सात बजे एसजीपीजीआई, लखनऊ में आकस्मिक निधन हो गया है। आज शाम चार बजे हम प्रयागराज पहुचेंगे। अंत्येष्टि कल सुबह प्रयागराज में होगी।

परिजनों के मुताबिक पीसी जोशी पिछले काफी समय से बीमार थे, और उनका एसजीपीजीआई लखनऊ में चल रहा था। सोमवार सुबह उनकी तबियत अचानक बिगड़ी और फिर संभल नहीं पाई। जिसके चलते उनका निधन हो गया.

मैकेनिकल इंजीनियर थे पीसी जोशी

पूर्व सांसद के पति पीसी जोशी पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर थे और कई महत्वपूर्ण संस्थानों में अपनी सेवाएं दी थीं। उनकी शादी रीता बहुगुणा जोशी से 1976 में हुई थी।

हर बार तमाशा, फिर खामोशी... टंकी–टावर पर चढ़कर धमकाने के बढ़े मामले

प्रयागराज। हाल के दिनों में बिजली के टावर और पानी की टंकी पर चढ़कर बात मनवाने की घटनाओं ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आखिर कब तक लोगों को इस तरह के हथकंड़े अपनाने पड़ेंगे।

हाल के दिनों में बिजली के टावर और पानी की टंकी पर चढ़कर बात मनवाने की घटनाओं ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आखिर कब तक लोगों को इस तरह के हथकंड़े अपनाने पड़ेंगे। सवाल ये भी है कि एकाध वाजिब मामलों की देखा–देखी बात मनवाने के लिए टंकियों–टावरों पर चढ़ने के मामले बढ़े तो पुलिस क्या करेगी। कूदने की धमकी देकर पुलिस–प्रशासन पर दबाव बनाने के मामलों में कोई कार्रवाई फिलहाल नहीं हुई है।

पहले भी इस तरह की कई घटनाएं हो चुकी हैं। हर बार मौके पर अफरातफरी मचती है। पुलिस घंटों मशक्कत के बाद तमाशा करने वाले को सुरक्षित नीचे उतार लेती है। बाद में मामला शांत हो जाता है। कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती।

शहर और आसपास के क्षेत्रों में आत्महत्या की धमकी देकर दबाव बनाने की ज्यादातर घटनाओं में मामला निजी विवाद, आर्थिक दबाव, प्रेम विवाह आदि से संबंधित पाया गया है। पिछले दो वर्षों में ऐसे एक दर्जन से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। इससे न सिर्फ आम लोगों में दहशत फैलती है, बल्कि आपातकालीन सेवाओं पर भी दबाव बढ़ता है।

पुलिस कर सकती है कार्रवाई

अधिवक्ता सुधीर कुमार सिंह बताते हैं कि टंकी या टावर पर चढ़कर हंगामा करना, भीड़ इकट्ठा करना, व्यवस्था बिगाड़ना, आपराधिक धमकी, रेस्क्यू टीम को काम करने से रोकना, सरकारी कार्य में बाधा डालना, पुलिस–प्रशासन या आम जनता को डराना, आत्महत्या के लिए धमकी देने समेत कई कारणों से पुलिस चढ़ने वाले लोगों पर कार्रवाई कर सकती है।

तनाव पैदा करती हैं ऐसी घटनाएं

मनोचिकित्सक इफ्फत जिया बताती हैं कि टावर और टंकी पर चढ़कर बात मनवाने की घटनाएं धीरे–धीरे एक प्रवृत्ति का रूप लेती जा रही हैं। हालांकि, ऐसा करना बेहद खतरनाक है। इससे व्यक्ति की जान को गंभीर जोखिम रहता है। ऐसे कदम न सिर्फ खुद के लिए जानलेवा हो सकते हैं, बल्कि आसपास के लोगों और पुलिस के लिए भी परेशानी व तनाव की स्थिति पैदा करते हैं।

कोशिश रहती है कि ऐसे लोगों की समस्या का थाना स्तर पर ही समाधान कर दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट भी ऐसे लोगों को पीड़ित मानती है। हालांकि, अगर कोई सिर्फ दबाव बनाने के लिए इस तरह की हरकत करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। – मनीष कुमार शांडिल्य, डीसीपी नगर

गर्म लोहे से दागने के बाद मुंह दबाकर की मासूम की हत्या, पीएम रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र स्थित नीमसराय कॉलोनी में आठ वर्षीय सयान के शरीर को पहले गर्म लोहे से दागा गया, फिर मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी गई। उसके शरीर पर चोट के 15 निशान मिले हैं।

धूमनगंज थाना क्षेत्र स्थित नीमसराय कॉलोनी में आठ वर्षीय सयान के शरीर को पहले गर्म लोहे से दागा गया, फिर मुंह दबाकर उसकी हत्या कर दी गई।

उसके शरीर पर चोट के 15 निशान मिले हैं। यह खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हुआ है। धूमनगंज पुलिस ने सयान के मुंहबोले मामा उबैद और पुलिस को गुमराह करने के आरोप में मां सीमा को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मूलरूप से कौशाम्बी के सरायअकिल की रहने वाली सीमा की शादी मेरठ के एक व्यक्ति से हुई थी, जो सऊदी अरब में रहकर नौकरी करता है। शनिवार शाम करीब छह बजे सीमा के बेटे सयान को लहूलुहान हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

रविवार को दो डॉक्टरों के पैनल ने उसके शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के दौरान पता चला कि मासूम की मुंह दबाकर हत्या की गई थी, उसके गले पर निशान भी मिले।

इसके अलावा निजी अंग के पास भी चोट के निशान मिले। आशंका है कि सयान की डंडे, थप्पड़ से पिटाई करने के बाद गर्म लोहे से उसका शरीर भी दागा गया था।

पोस्टमार्टम के बाद बच्चे का शव लेकर ननिहाल पक्ष के लोग कौशाम्बी के सरायअकिल चले गए। धूमनगंज थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि सयान के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं, मुंह दबाकर हत्या की गई है, पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

छुट्टी के दिन कराया काम, बिना सुरक्षा किट के लगाए मजदूर

प्रयागराज। गंगा प्रदूषण जल निगम की ओर से सदियाबाद के ककराहा घाट के पास स्थित गुरु सेतुआ घाट पर इन दिनों सीवर लाइन डालने का काम चल रहा है। रविवार को कार्यदायी संस्था जेडब्ल्यूआईएल की तरफ से अवकाश घोषित किया गया था लेकिन ठेकेदार ने अवकाश के दिन भी मजदूरों से जबरन काम कराया। इस दौरान मजदूरों को बिना सुरक्षा किट के सीवर लाइन डालने के लिए गड्ढे में उतार दिया गया। बताया जा रहा है कि ठेकेदार का काम पीछे चल रहा था। समय पर काम पूरा करने के लिए ठेकेदार ने मजदूरों का मेहनताना रोक रखा था, ताकि मजदूर ढूंढने में समय बर्बाद न हो। मजदूर गया प्रसाद इसी इसी जल्दबाजी की भेंट चढ़ गए।

चार मार्च 2025 को शुरू हुए काम को तीन अक्तूबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। अब तक मात्र 40 फीसदी काम पूरा हो सका है। मात्र छह महीने का समय शेष बचा है। गंगा प्रदूषण के अधिशासी अभियंता सुरेंद्र सिंह परमार का कहना है कि जहां दुर्घटना हुई उस जगह का काम देवी इंटरप्राइजेस नाम की फर्म कर रही थी। जिसे टर्मिनेट करने के साथ ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। 186 करोड़ रुपये की लागत से दो नालों की टैपिंग व सीवर लाइन डालने का काम चल रहा है। सीवर प्लांट स्टेशन के जरिये गंदे पानी को यमुना नदी में जाने से रोका जाना है। वहीं सीवर प्लांट स्टेशन के जरिये दूषित पानी को ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंचाने का काम किया जाएगा।

शादी में जाते तो टल सकता था हादसा...

गया प्रसाद पुत्र कृपाल पाल धमोर में पत्नी समरा, बेटी वंदना (12), बेटा विशाल (11) और विकास (8) के साथ रहता था। हाल ही में बेटी ने 11वीं की परीक्षा पास की थी। परिजनों का आरोप है कि पिछले करीब पांच दिन से गया प्रसाद को मजदूरी नहीं मिली थी। आरोप लगाया कि रविवार को मजदूरी देने के बहाने उसे जबरन काम पर बुलाया गया था। घटना के बाद पत्नी का रो–रोकर हाल बेहाल है, कहा कि पति को एक रिश्तेदार के घर शादी में जाना था लेकिन वह काम पर चले गए। अगर शादी में जाते तो हादसा टल सकता था।

12 फीट गहरा गड्ढा, सुरक्षा के नहीं थे इंतजाम

करीब 12 फीट गहरे गड्ढे में काम के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, जिससे हादसा हो गया। अचानक मिट्टी खिसकने से मौके पर अफरातफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना सुबह करीब 10 बजे की है, लेकिन बचाव का कार्य 11 बजे से शुरू हुआ। बचाव कार्य के दौरान जेसीबी गया प्रसाद के गर्दन में फंस गई थी, जिससे उसका काफी खून भी बहा। शव के बाहर निकालते ही गांव के प्रधान समेत अन्य लोग आ गए और हंगामा शुरू कर दिया।

यमुना पुल के नीचे मिले शव की हुई पहचान

प्रयागराज। शनिवार को नए यमुना पुल के नीचे मिले शव की रविवार को पहचान गोविंदपुर निवासी आदित्यांक त्रिपाठी (22) पुत्र राकेश कुमार त्रिपाठी के रूप में हुई। रविवार को उसका भाई हिमांक त्रिपाठी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचा और शव की शिनाख्त की। आदित्यांक स्नातक का छात्र था। वह शुक्रवार की दोपहर घर से निकला था। देर शाम तक जब नहीं लौटा तो परिजन तलाश करने लगे। शनिवार को रिश्तेदारों से पूछताछ की गई। रविवार को सूचना पर परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और शव की शिनाख्त की। भाई हिमांक ने तहरीर दी है। इंस्पेक्टर नैनी बृज किशोर गौतम ने बताया का मृतक के परिजनों ने किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया है।

बकाया भुगतान को लेकर श्रमिकों ने भरी हुंकार, दी आंदोलन की चेतावनी

प्रयागराज। बंद पड़ी मेजा कताई मिल के श्रमिकों ने कई मांगों को लेकर रविवार को मेजारोड के बीएनटी इंटर कॉलेज में बैठक की। साथ ही चेतावनी दी कि अगर उनकी मांग जल्द ही पूरी नहीं की जाती है तो वह बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे। श्रमिकों ने उप्र टेक्सटाइल्स मजदूर संघ के बैनर तले बैठक कर कहा कि बंद पड़ी मेजा कताई मिल की बिल्डिंग भी जमींदोज कर दी गई लेकिन श्रमिकों के बकाये वेतन का भुगतान नहीं किया गया।

मजदूर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष रघुनंदन प्रसाद गुप्ता ने कहा कि श्रमिकों के साथ लगातार अन्याय किया जा रहा है। बकाया वेतन के भुगतान के लिए आश्वासन तो दिया जाता है लेकिन कई साल से भुगतान नहीं हो पा रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि अगर जल्द ही बकाया रकम का भुगतान नहीं किया जाता है तो आंदोलन किया जाएगा। बैठक में कौशलेश प्रसाद मिश्र, सुशील कुमार शर्मा, राजेंद्र प्रसाद, हरिकृष्ण, घनश्याम, रामधारी, रामकिशन मौजूद रहे।

प्रयागराज जंक्शन गेट पर बनी मस्जिद हटाने का मामला, नई जमीन तलाशने तक यथास्थिति बरकरार

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन के गेट पर बनी मस्जिद को हटाने के मामले में हाईकोर्ट ने अहम निर्देश जारी किया है। कोर्ट ने याची को मस्जिद के लिए वैकल्पिक जमीन तलाशने

को कहा है। प्रयागराज जंक्शन के गेट पर बनी मस्जिद को हटाने के मामले में हाईकोर्ट ने अहम निर्देश जारी किया है। कोर्ट ने याची को मस्जिद के लिए वैकल्पिक जमीन तलाशने को कहा है। साथ ही रेलवे को भी इस प्रक्रिया में सहयोग करने का निर्देश दिया गया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि जब तक नई जमीन की व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक मौजूदा स्थिति यथावत बनी रहेगी। मामले की अगली सुनवाई के लिए कोर्ट ने 15 मई की तारीख निर्धारित की है।

न्यायपालिका, कार्यपालिका व विधायिका में स्पष्ट विभाजन ही लोकतंत्र की असली ताकत

प्रयागराज। भारतीय संविधान ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का स्पष्ट बंटवारा किया है। ये तीनों अंग अपने कार्यक्षेत्र में पूरी तरह स्वतंत्र हैं, किंतु वे एक–दूसरे पर अंकुश भी रखते हैं। यह भारतीय संविधान की अद्वितीय खूबी है। यह बातें न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन ने हिंदुस्तानी एकेडमी में ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन की इलाहाबाद हाईकोर्ट इकाई के वार्षिक सम्मेलन में 'संविधान में नियंत्रण और संतुलन के सिद्धांत' विषय पर आयोजित गोष्ठी में कहीं।

उन्होंने कहा, जब भी कोई अंग अपनी निर्धारित सीमाओं का उल्लंघन करता है, तो दूसरा अंग संवैधानिक मर्यादा के भीतर संतुलन स्थापित करने के लिए कदम उठाता है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता पीवी सुरेंद्रनाथ ने कहा कि आज वैश्विक स्तर पर एक संकटपूर्ण दौर चल रहा है, जहां देश स्वयं के द्वारा बनाए गए अंतरराष्ट्रीय नियमों को ही ध्वस्त कर रहे हैं।

संगठन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल चौहान ने भारतीय समाज और संस्कृति में महिलाओं की गरिमा पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान महिलाओं को उच्च स्थान प्रदान करने की संस्कृति को और अधिक मजबूती देता है। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से 44 सदस्यीय काउंसिल और 18 सदस्यीय कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। इस नई टीम में अरविंद कुमार राय को अध्यक्ष और आशुतोष कुमार तिवारी को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। पदाधिकारियों की सूची में परमेश्वर चौधरी, सोनू निर्मल और दीपाली साहू को उपाध्यक्ष, जबकि दीपक कुमार, आबिदा खातून और शिव मंदिर राम को संयुक्त सचिव चुना गया। मनोज कुमार श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष का उत्तरदायित्व दिया गया।

सम्मेलन के अंतिम चरण में सचिव की वार्षिक रिपोर्ट पर व्यापक चर्चा और बहस हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता वजाहत हुसैन खान ने की और अंत में राज्य सचिव ब्रिजबीर सिंह एडवोकेट ने सभी अतिथियों व आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया।

ज्येष्ठ मास में होंगे आठ बड़े मंगल

प्रयागराज। इस वर्ष ज्येष्ठ मास में पड़ने वाला बड़ा मंगल (बुढ़वा मंगल) इस बार खास होने जा रहा है। ज्योतिषाचार्य कावेरी मुकर्जी बताती हैं कि अधिमास होने के कारण इस साल ज्येष्ठ माह में कुल आठ मंगलवार होंगे। यह एक दुर्लभ संयोग है। पहला बड़ा मंगल पांच मई व अंतिम बड़ा मंगल 23 जून को पड़ेगा। कावेरी मुकर्जी बताती हैं कि ज्येष्ठ मास के प्रत्येक मंगलवार को बड़ा मंगल कहा जाता है। इस दिन विशेष रूप से भगवान हनुमान की पूजा की जाती है। इससे संकट से मुक्ति, कर्ज से राहत, मानसिक तनाव में कमी और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। साथ ही भय, बाधाएं और नकारात्मकता दूर होती है। कावेरी मुकर्जी ने बताया कि बड़े मंगल के दिन हनुमान चालीसा व सुंदरकांड का पाठ और ओम हनुमते नमरू का जप करना चाहिए। हनुमान जी को सिंदूर, चमेली का तेल और लाल फूल अर्पित करना चाहिए। इस दिन जलसेवा, शरबत वितरण, अन्नदान और गरीबों को भोजन कराना अत्यंत पुण्यदायी होता है। बंदरों और गायों को भोजन कराना भी शुभ माना जाता है। ज्योतिषाचार्य के अनुसार पांच मई का पहला बड़ा मंगल अत्यंत शुभ रहेगा।

संक्षिप्त

खुद ही करें जांच... तेज तो नहीं चल रहा आपका स्मार्ट प्रीपेड मीटर, यूं समझें पूरा गणित

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में इन दिनों स्मार्ट प्रीपेड मीटर की रफ्तार को लेकर बवाल मचा हुआ है। आरोप है कि यह मीटर तेज चलता है। इस बीच बिजली विभाग के पूर्व अधिकारियों ने ऐसा गणित साझा किया है, जिससे उपभोक्ता घर बैठे यह जान सकते हैं कि उनका मीटर सही चल रहा है या नहीं। बिजली महकमे के सेवानिवृत्त इंजीनियर ने अपनी सोसाइटी के लोगों को उपकरणों की खपत का घंटेवार ब्योरा जारी किया है। आगरा के दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के एमडी रह चुके सुधीर कुमार वर्मा ने बताया कि घरों में सबसे ज्यादा बिजली 1.5 टन का श्री–स्टार एसी खाता है, जो प्रति घंटे करीब 2 यूनिट खर्च करता है। यदि एसी रोजाना 8 घंटे चले, तो अकेले महीने की 480 से 500 यूनिट खर्च होना स्वाभाविक है। वहीं, बल्ब, पंखे, कूलर, फ्रीज मिलकर करीब 120 यूनिट बिजली खाते हैं। वहीं, सरोजनीनगर स्थित विद्युत प्रशिक्षण संस्थान के एक्सईएन संजय शर्मा ने बताया कि डिप्लोमा इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रिकल छात्र व छात्राओं को बिजली उपकरण में प्रति घंटे बिजली खपत के बारे में पढ़ाया जाता है। इाला आधार पर उपभोक्ता भी अपने प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर में जलने वाली बिजली की आसानी से गणना कर सकता है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर में जलने वाली घरेलू बिजली का औसतन रेट सात रुपये यूनिट का है। यदि कोई उपभोक्ता प्रतिमाह 300 यूनिट बिजली खर्च कर रहा तो उसे 2100 रुपये का बिल चुकाना होगा। हालांकि, प्रीपेड उपभोक्ताओं को रिचार्ज करने पर दो फीसदी की छूट भी मिलती है।

खराब मौसम का असर, लो विजिबिलिटी से हवाई यातायात ठप, 15 उड़ानें लखनऊ डायवर्ट

लखनऊ (संवाददाता)। नई दिल्ली में रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि दिल्ली जाने वाली कुल 15 उड़ानों को डायवर्ट कर लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारना पड़ा। इन उड़ानों में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों सेवाएं शामिल थीं। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में काठमांडू, मस्कट और फुकेट से आने वाले विमान प्रमुख रहे। वहीं घरेलू उड़ानों में जयपुर से सबसे अधिक चार फ्लाइटें लखनऊ भेजी गईं। इसके अलावा हैदराबाद की दो उड़ानें तथा मुंबई, गुवाहाटी, कोयंबटूर, औरंगाबाद और बेंगलुरु से आने वाले विमानों को भी सुरक्षित रूप से लखनऊ में उतारा गया। हालांकि सुबह के समय लखनऊ का मौसम भी खराब हो गया, जिससे दिल्ली, चंडीगढ़ समेत तीन स्थानों से आने वाली कुछ उड़ानें लैंड नहीं कर सकीं। इससे यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। बाद में दिल्ली में मौसम में सुधार होने की सूचना मिलने पर लखनऊ में रोके गए सभी विमानों को उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।

लखनऊ में नहा रही युवती का पड़ोसी ने वीडियो बनाया

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में एक युवती ने पड़ोसी पर बाथरूम में देखने और वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने गोमतीनगर थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। विवेक खंड निवासी युवती के मुताबिक, उनके घर के बगल वाले कमरे में रहने वाला विक्रम और उसका बेटा हरकेश काफी समय से अभद्र व्यवहार कर रहे थे। आरोप है कि शनिवार सुबह करीब 10रू30 बजे उनकी बहन घर के बाथरूम में नहा रही थीं। इसी दौरान पड़ोसी अपने कमरे की ओर से बाथरूम में देख रहा था और मोबाइल से वीडियो बना रहा था। बहन की आरोपी पर नजर पड़ते ही शोर मचा दिया। आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी अपने कमरे का दरवाजा बंद कर अंदर छिप गया। पीड़िता ने पुलिस से मांग की है कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। गोमतीनगर पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हो गई है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

केजीएमयू के शताब्दी में घटिया ईट से हो रहा निर्माण

केजीएमयू के शताब्दी में घटिया ईंट से एचआरएफ स्टोर का निर्माण अफसर करवा रहे हैं। इंजीनियर–ठेकेदार की मिलीभगत से आधे से ज्यादा निर्माण पूरा हो गया है। इसके बाद भी किसी भी जिम्मेदार की घटिया निर्माण पर निगाह तक नहीं गई। रविवार को इस घटिया निर्माण का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। इसमें किसी व्यक्ति ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए पीली ईंट को दिखाया है। केजीएमयू प्रशासन ने जांच कराने का आदेश दे दिया है। केजीएमयू शताब्दी के ग्राउंड फ्लोर पर बने न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में एचआरएफ स्टोर का निर्माण चल रहा है। निर्माण में पीली ईंट लगाई जा रही है। यह निर्माण का सामान शताब्दी के गेट पास रखा हुआ है। संस्थान में इस तरह के घटिया निर्माण को लेकर किसी व्यक्ति ने वीडियो बनाया। इसमें पीली ईंट की गुणवत्ता भी वीडियो में दिखाई। दोनों ईंट टकराने पर टूट जा रही है। पूरा वीडियो सोशल मीडिया पर वॉयरल हुआ है। इससे संस्थान के इंजीनियर–ठेकेदारों को कठघरे में खड़ा किया। केजीएमयू प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने दावा किया है मामले की जांच कराई जाएगी। जांच में आरोप सही मिले तो संबंधित इंजीनियर और ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति होगी।

लखनऊ में तूफान, दोनों डिप्टी सीएम की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में खराब मौसम के बीच दिल्ली से आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई–6476 को भोपाल डायवर्ट कर दिया गया। इसमें यूपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे। लखनऊ एयरपोर्ट पर तीन बार लैंडिंग की कोशिश फेल होने के बाद विमान को भोपाल भेजा गया। दोनों डिप्टी सीएम भोपाल में सुरक्षित उतरे। दिल्ली से रोजाना सुबह 7रू20 रवाना होने वाली इंडिगो की यह फ्लाइट सोमवार सुबह 8रू02 बजे रवाना हुई। इसे यहां 8रू30 बजे लखनऊ लैंड होना रहता है। सोमवार को करीब 9रू10 लखनऊ के आसमान में पहुंचने पर इसे लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली। फ्लाइट लखनऊ एयरपोर्ट पर आसमान में काफी देर तक चक्कर काटती रही। इस दौरान 3 बार लैंडिंग की कोशिश की लेकिन हर बार कोशिश फेल हुई। इंडिगो की फ्लाइट जब लखनऊ पहुंची तो यहां 80 किलोमीटर प्रतिघंटे की स्पीड से तूफान चल रहा था।

विश्वनाथ में भाजपा का परचम लहराया

तीनों विधानसभा विश्वनाथ, बिहाली और गोहपुर में भाजपा ने विरोधी को बुरी तरह से हराया

विश्वनाथ भाजपा का प्रत्याशी पल्लव लोचन दास ने 25,770 मतों से जीत

बिहाली भाजपा के प्रत्याशी मुनींद्र दास ने 60,703 मतों से जीत

गोहपुर के भाजपा प्रत्याशी उत्पल बोरा ने 52,722 मतों से जीत दर्ज

विश्वनाथ, असम। राज्य के 126 विधानसभा चुनाव में विश्वनाथ जिला निर्वाचन अंतर्गत 70 विश्वनाथ ,71 बिहाली विधानसभा और 72 गोहपुर विधानसभा चुनाव के आज मतगणना में जिले के भाजपा के प्रत्याशी ने अपने विपक्षी कांग्रेस तथा विरोधी उम्मीदवार को बुरी तरह से परास्त किया।धारावाहिक रूप से विश्वनाथ जिला भाजपा ने तीनों सीटों पर फिर से कब्जा किया। विश्वनाथ विधानसभा चुनाव में भाजपा तथा कांग्रेस के प्रत्याशी जयंत बोरा के बीच सीधे कांटे की टक्कर थी। जिसपर भाजपा ने जीत हासिल की ।निर्वाचन आयोग के तथ्य के अनुसार 70 विश्वनाथ विधानसभा चुनाव के सभी 17वें और अंतिम राउंड के बाद कुल प्राप्त वोट में विजयी भाजपा प्रत्याशी पल्लव लोचन दास को 84,862 मत, कांग्रेस प्रत्याशी जयंत बोरा को 59,092 , झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी तेहरु गौर को 12501 मत , आप प्रत्याशी अनंत गोगोई 14 71 मत , गण सुरक्षा पार्टी के प्रत्याशी साहिदुल आलम को 1153 मत और नोटा को 1855 मत प्राप्त हुई।71बिहाली विधानसभा चुनाव

गिनती में कुल प्राप्त वोट में भाजपा के विजयी प्रत्याशी मुनींद्र दास उर्फ बाप्ति को 87224, कम्यूनिष्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्ससिस्ट – लेनिनिस्ट) (लिबरेशन) के प्रत्याशी ज्ञानेंद्र सरकार को 26,521 मत, निर्दलीय अजय कुमार सिन्हा को 13,294 मत ,गण सुरक्षा पार्टी के प्रणवप्राण रविदास को 1999 और नोटा (किसी को नहीं) को 3397 मत प्राप्त हुए।

इसके अलावा इधर 72 गोहपुर विधानसभा चुनाव में गिनती में कुल प्राप्त वोट में भाजपा विजयी प्रत्याशी उत्पल बोरा को 96,582 मत, कांग्रेस के प्रत्याशी शंकर ज्योति कुटुम को 43,860 मत , यूपीपीएल के प्रत्याशी नित्यानंद बसुमतारी को 3204 मत , निर्दलीय प्रत्याशी हिमंत विजय महंत को 1435 मत और नोटा को 1873 वोट मिले।

जिले के इन तीन सीटों पर विजय के बाद कार्यकर्ताओं और जनता में खुशी का लहर है। सभी ढोल नगाड़े नाचते गाते होली खेलते नजर आए। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव में तीनों सीटों पर प्रथम राउंड से लेकर 17 वें राउंड तक बढ़त बनाते हुए ज़िले में हैट्रिक जीत की।

गुलदुपहरिया

सुन्दर प्यारा फूल है, गुलदुपहरिया नाम।
सूरज होता लाल जब, हँसकर करे प्रणाम।
हँसकर करे प्रणाम, लालिमा को यह भरकर।
पंखुरियों का रंग, गुलाबी पीला रँगकर।
सुन लो कहें प्रदीप, दवा बन पीड़ा हरकर।
पी गर्मी की धूप, फूल लगता है सुन्दर।।

दस बजिया या नौ बजी, इक ऐसा है फूल।
खड़ी दुपहरी में खिले, उड़ती है जब धूल।
उड़ती है जब धूल, और सूरज है तपता।
पीकर उसका ताप, धरा को शोभित करता।
सुन लो कहें प्रदीप, मरुस्थल हो या बगिया।
गर्मी मे भर रंग, खिल रहे हैं दस बजिया।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

काव्य गोष्ठी संपन्न

प्रयागराज। प्रत्येक माह की तरह इस माह भी दिनांक 3 मई 2026 ई दिन आदित्यवार अपराह्न 3रू00 बजे से काशी प्रांत की प्रयागराज इकाई के यमुना पार की राष्ट्रीय कवि संगम के बैनर तले कविगोष्ठी का आयोजन वरिष्ठ कवि साहित्यश्री शिवराम उपाध्याय 'मुकुल मतवालाश जी के भरद्वाजपुरम् स्थित आवास

पर हुआ, जिसमें कुल 17 कवियों ने काव्यपाठ किया।

गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि अंशुल जी ने किया एवं संचालन नवोदित एवं ख्यात वीररस कवि निखिलेश मालवीय ने किया। संस्कृतनिष्ठ, मूल्यनिष्ठ एवं आदर्शोन्मुखी कविताओं से ओतप्रोत दिव्य वातावरण का सृजन हुआ। डॉक्टर इंदु जमदग्निपुरी, श्रीराम मिश्र 'तलब', राजेश सिंह 'राज', डॉक्टर पीयूष मिश्र, हास्यकवि केपी गिरि, सुधांशु शुक्ल, डॉ पुष्कर प्रधान सभी ने अपने–अपने हिस्से की कविताओं के उच्चतम भाव से अद्भुत काव्य–सर्जना की मिसाल पेश की।

भयहरणनाथ धाम: राजस्व अभिलेखों में दर्ज भूमि की पैमाइश पूर्ण

10 मई तक पत्थर लगाने की मांग, 9वां सामाजिक सत्याग्रह 10 मई को

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी प्रतापगढ़ के निर्देश एवं माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में रविवार को देर शाम तक लगभग 6 घंटे चली पैमाइश में बाबा भयहरणनाथ धाम, तहसील सदर की राजस्व अभिलेखों में दर्ज भूमि की प्रशासनिक पैमाइश संपन्न हुई। राजस्व टीम द्वारा अंत में प्रारंभिक स्थल मानचित्र तैयार किया गया। सभी ने जिला प्रशासन से स्थाई सीमांकन हेतु 10 मई तक पत्थर लगाने की मांग की।

पैमाइश की कार्यवाही तहसील प्रशासन एवं पुलिस बल की उपस्थिति में शांतिपूर्ण ढंग से पूर्ण की गई। सामलाती काश्तकारों की सहमति एवं भागीदारी से धाम, तालाब तथा सार्वजनिक भूमि का सीमांकन किया गया। पैमाइश के दौरान अधिकतर स्थानीय लोगों ने शासन–प्रशासन के इस कदम की सराहना की।

भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा चलाया जा रहा आठवां सामाजिक सत्याग्रह पैमाइश महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर के संयोजन व सहयोग के साथ जारी रहा। संस्थान ने जिलाधिकारी महोदय से मांग की है कि चिन्हित धाम, तालाब एवं सार्वजनिक भूमि पर 10 मई 2026 तक पत्थर गाड़कर स्थाई सीमांकन कर दिया जाए।

संस्थान ने घोषणा की है कि 9वां सामाजिक सत्याग्रह 10 मई 2026 को आयोजित किया जाएगा। संस्थान ने जनमानस से 10 मई के कार्यक्रम में सहयोग की अपील की है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र, अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल, कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, उपाध्यक्ष वित्त एवं लेखा राजीव नयन मिश्र, उपाध्यक्ष डॉ अमर बहादुर सिंह, सह कोषाध्यक्ष कमलेश वैश्य, मन्दिर समिति के सचिव मुरली पांडेय व मेला समिति के सचिव अनिल मिश्र, ने विशेष भूमिका निभाई है। चौकी प्रभारी राजीव वर्मा पर्याप्त पुलिस बल के साथ उपस्थित रहे और शांति व्यवस्था बनाए रखी। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र, स्वच्छता नायक राज कुमार व संजय गौतम ने सभी का सहयोग किया।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर हाई कोर्ट बार सख्त, कार्रवाई न हुई तो होगा जन आंदोलन

प्रयागराज इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने प्रदेश के निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर फीस वृद्धि,पुस्तकों की कीमतों में अनियंत्रित बढ़ोतरी और ड्रेस– कॉपी के नाम पर हो रहे शोषण पर तत्काल कार्रवाई की मांग की थी। बार एसोसिएशन का आरोप है कि अधिकांश निजी विद्यालय अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डाल रहे हैं। स्कूल प्रबंधन न केवल मनमाने तरीके से फीस बढ़ा रहा है, बल्कि फीस को कैश में जमा कराने का दबाव भी बना रहा है। इसके साथ ही अभिभावकों को निर्धारित दुकानों से ही किताबें और ड्रेस खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है, जिससे उनकी जेब पर अतिरिक्त भार पड़ता है। एसोसिएशन ने यह भी कहा कि कई विद्यालय हर वर्ष बिना किसी बड़े पाठ्यक्रम परिवर्तन के नई किताबें लागू कर देते हैं। मामूली बदलाव के आधार पर पूरी किताब बदलने की मजबूरी अभिभावकों के लिए आर्थिक रूप से भारी साबित हो रही है। इस संबंध में हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश पांडे 'बबुआ' ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही इस दिशा में कोई ठोस और सार्थक आदेश जारी नहीं किया गया, तो वे जन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभिभावकों के हितों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बार एसोसिएशन ने सरकार से मांग की है कि निजी विद्यालयों की मनमानी पर नियंत्रण के लिए सख्त नियम बनाए जाएं,एक प्रभावी निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सुबह नौ बजे छाया घना अंधेरा, तेज हवाओं के साथ बारिश ने यूपी में बदला मौसम

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ सहित यूपी के कई जिलों में सोमवार की सुबह करीब नौ बजे मौसम अचानक बदल गया। आसमान में काले बादल छा गए। हाल ये हो गया कि हर तरफ अंधेरा छा गया। इसके साथ ही तेज हवाएं चलने लगीं और बारिश होने लगी। इस दौरान ऑफिस जाने के लिए घरों से निकले लोगों को अपने वाहनों की लाइटें जलानी पड़ीं। मौसम विभाग ने अगले पांच दिन के लिए प्रदेश में बूंदाबांदी, आंधी और ओलावृष्टि की भविष्यवाणी की है। कुछ देर के लिए ऐसा लगा जैसे शाम से आठ बजे हों। घरों से ऑफिस के लिए निकले लोगों को खास मुश्किल हुई। संभावित खराब मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से सतर्क रहने की अपील की है।

केशव मौर्य ने अखिलेश पर कसा तंज, कहा, जनता अब उनकी सुनने को तैयार नहीं

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि अब जनता उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर किए गए एक पोस्ट में मौर्य ने लिखा, सपा प्रमुख अखिलेश यादव को अब जनता सुनने को तैयार नहीं है। उनके तमिलनाडु वाले भैया एम. के. स्टालिन और बंगाल की दीदी ममता बनर्जी को भी जनता ने हाशिए पर ध ाकेल दिया है। उन्होंने आगे कहा, उनके भैया राहुल गांधी का हाल पहले ही सब देख चुके हैं, और हाल ही में बिहार में तेजस्वी यादव भी पराजित हो चुके हैं। केशव मौर्य ने कहा समाजवादी पार्टी को वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सत्ता के सपने देखना छोड़ देना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में भाजपा आगे जा रही है और सपा के हिस्से अब केवल इंतजार ही रह गया है। इसी बीच, विभिन्न राज्यों में चल रही मतगणना के रुझानों का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल और असम में बढ़त बनाए हुए है।

बंगाल में भाजपा की बढ़त पर सपा सांसद ने चुनाव प्रक्रिया पर उठाए सवाल, बोले- लोकतंत्र के लिए खतरे का संकेत

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की बढ़त को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में केंद्रीय पुलिस बल का अत्यधिक इस्तेमाल किया गया और राज्य के कर्मचारियों पर भरोसा नहीं जताया गया, जिससे मतदान प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि देश के हालात धीरे–धीरे तानाशाही की ओर बढ़ रहे हैं, जो संविधान और लोकतंत्र के लिए खतरे का संकेत है। इसे उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद खराब संकेत बताया। उत्तर प्रदेश के आगामी चुनावों पर उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगाल और यूपी के चुनावों का कोई सीध ाा संबंध नहीं है। साथ ही उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा लोकसभा चुनाव में अयोध्या सीट हार चुकी है, जिस पर देश ही नहीं बल्कि दुनिया की नजर थी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस बढ़ोतरी पर बवाल

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि को लेकर सोमवार को छात्रों ने एक बार फिर प्रदर्शन किया। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान 'वीसी मुर्दाबाद' और 'फीस वापस लो' जैसे नारे लगाए गए। छात्र तख्तियां लेकर सड़क पर बैठ गए और धरना दिया। इस दौरान छात्रों ने कहा फीस वापसी का निर्णय नहीं लिया तो बड़ा आंदोलन होगा। युवजन सभा के प्रिंस ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन को 6 दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर फीस वापस का फैसला नहीं लिया गया, तो बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। प्रिंस ने बताया कि उनकी दो प्रमुख मांगें हैं। पहली, पुराना फीस स्ट्रक्चर लागू किया जाए। दूसरी, आंदोलन में शामिल छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं और निलंबन बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि छात्र अपराधी नहीं हैं, उन्हें पढ़ने का अधिकार मिलना चाहिए। मौके पर प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य पहुंचे और छात्रों को शांत कराने की कोशिश की। हालांकि छात्रों ने उनको देख विरोध ा और तेज कर दिया। एलयू के सदस्यों ने छात्रों को मौके पर कुलपति के आने की बात कहकर शांत कराया।

सम्पादकीय.....

प्रोपेगंडा के रूप में सिनेमा

1920 के दशक में चलचित्रों के आगमन से लेकर आज के ओ.टी.टी. तक, गतिशील छवि पीढियों से एक विलक्षण स्थिरांक बनी हुई है और विस्तार से कहें तो, यह अब तक का सबसे शक्तिशाली जन–प्रभाव उपकरण है। एक सदी से अधिक समय से, जहां अन्य माध्यमों का उदय हुआ और वे पतन की ओर गए, वहीं सिनेमा का पर्दा परिवारों और युवाओं दोनों को अपने मोह में बांधे हुए है, एक सांझा अनुष्ठान जो मात्र पलायनवाद से परे है। पहली बार, एक विचार को, चाहे वह कितना भी राजनीतिक क्यों न हो, एक मानवीय चेहरा, एक उत्साहवर्धक संगीत और एक कथा चाप दिया जा सकता था, जो निर्देश नहीं, बल्कि जीवंत अनुभव जैसा महसूस होता था। एक प्रचारक अब सहानुभूति को हथियार बना सकता था, एक मनगढ़ंत वास्तविकता को मूर्त रूप देने के लिए काल्पनिक पात्रों का निर्माण कर सकता था, जिससे एक अमूर्त विचारधारा एक सहज सच्चाई की तरह महसूस हो। जब अन्यत्र तकनीकी नवाचारों की खोज की जा रही थी, तब एडोल्फ हिटलर और उनके प्रोपेगंडा मंत्री जोसेफ गोएबल्स, उन पहले लोगों में से थे, जिन्होंने वास्तव में यह समझा कि फिल्म केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राज्य के लिए एक केंद्रीय तंत्रिका तंत्र है। नाजी रीच मिनिस्ट्री फॉर पब्लिक एनलाइटेनमैंट एंड प्रोपेगंडा के भीतर एक समघ्पत फिल्म विभाग–रीच चौंबर ऑफ फिल्म, जिसे संक्षिप्त में आर.एफ.के. कहा जाता है, की स्थापना ने यह माना कि एक राष्ट्रवादी विचार, जिसे सिनेमा की भावनात्मक भव्यता में प्रस्तुत किया जाता है, वह ताघ्कक आलोचना को दरकिनार करके सीधे जनता की आत्मा में स्थापित हो सकता है। नाजी मशीन से लडने वाले मित्र राष्ट्रों ने भी इस उपकरण की उपयोगिता को अपने लिए पहचाना। शीत युद्ध में जकड़े सोवियत और अमरीकियों ने इस तकनीक के लाभों को बस विभाजित कर लिया और सेल्युलाइड के माध्यम से एक द्विआध ाारी दुनिया का निर्माण किया। दोनों पक्षों ने एक–दूसरे की सरल, भयावह छवियां बनाईं। अमरीकी सिनेमा में, कम्युनिस्ट घुसपैठ के डर को एक एलियन आक्रमण की कथा के रूप में छिपाया गया था, जबकि सोवियत फिल्मों ने समाजवादी सद्गुण के एक संकेतक के रूप में सामूहिक तकनीकी प्रगति का बखान किया। अमरीका में, संस्कृति और राज्य–कौशल के इस भाईचारे को एक औद्योगिक कला रूप में पूर्ण किया गया जिसे दुनिया हॉलीवुड के नाम से जानती है। अनगिनत ब्लॉकबस्टर्स के माध्यम से, अमरीकी मरीन कॉर्प्स का महिमामंडन किया गया, जिसने वियतनाम, ईराक और अफगानिस्तान में जटिल, बहु–कारक संघर्षों को साधारण नैतिकता नाटकों में बदल दिया है, जहां अमरीकी सैनिक त्रस्त लोगों के एक मसीहा के रूप में उभरता है, जो साम्राज्य के लिए नहीं, बल्कि एक सार्वभौमिक, निरूस्वार्थ आदर्श के लिए लड़ रहा है। सिनेमा के परदे के लिए पूर्ण किया गया सिनेमाई अनुनय का यह मॉडल 21वीं सदी में ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्मों के माध्यम से कहीं अधिक व्यापक और व्यक्तिगत तंत्र में फैल गया है। यह असीमित पहुंच प्रोपेगंडा मॉडल को एक प्रसारण से डाटा–आध ाारित, व्यक्तिगत ड्रिप फीड में बदल देती है। एक स्मार्टफोन चेतना का एक भंडार है, जहां एक एल्गोरिद्म चुपचाप वास्तविकता को क्यूरेट करता है, केवल उस सामग्री की सिफारिश करता है, जो उपयोगकर्त्ता के मौजूदा देखने के इतिहास और रुचि को दर्शाती है। एक डिजिटल रूप से देशी जेन–जी के लिए, जो एक राजनीतिक रूप से जुड़ा हुआ और भावनात्मक रूप से कमजोर समूह है, यह प्रणाली विशेष रूप से शक्तिशाली है। स्क्रीन पर एक टैप पर उपलब्ध एक जासूसी थ्रिलर या राजनीतिक नाटक, चिकनी, प्रीमियम मनोरंजन की प्रतीत होने वाली उद्देश्यपूर्ण आड़ के माध्यम से कथाओं को आगे बढ़ाता है। निर्णायक घटनाओं के इर्द–गिर्द घूमती कथाएं यह दर्शाती हैं कि अतीत को फिर से जोड़कर धर्म–परिवर्तन करने के लिए सिनेमा को 'गरम प्रोपेगंडा' के रूप में कैसे तैनात किया जा सकता है। फिल्में जैसे एमरजैंसी, धुरंधर–प और प सीधे तौर पर इसी शैली में आती हैं। राज्य और कॉर्पोरेट अभिनेताओं और यहां तक कि विकेन्द्रीकृत वैचारिक उद्यमियों ने यह समझ लिया है कि सूचना संतृप्ति के युग में, अंतिम शक्ति इस बात में नहीं है कि हम क्या देखते हैं, बल्कि इस बात में है कि हम इसे कैसे देखते हैं, इसकी संज्ञानात्मक और भावनात्मक वास्तुकला को आकार देना है।

भारत दिखावा नहीं कर सकता कि युद्ध ने देश को प्रभावित नहीं किया

पी. चिदम्बरम

यू.एस–इसराईल का ईरान के खिलाफ युद्ध कोई दूर का युद्ध नहीं है। यह पश्चिम एशिया में है, जो भारतीय उपमहाद्वीप का पड़ोसी है। लाखों भारतीय इस क्षेत्र में रहते हैं और काम करते हैं। लाखों भारतीय शिया मुसलमानों का ईरान के लोगों के साथ गहरा बंधन है। भारत ने पारंपरिक रूप से ईरान के साथ एक लंबे और ऐतिहासिक संबंध का दावा किया है। पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने ईरान के साथ घनिष्ठ व्यापारिक और आध्यक संबंधों का भी दावा किया है। इसका एक उदाहरण चाबहार बंदरगाह का विकास है। भाजपा सरकार के तहत वे दावे कमजोर हुए हैं। इसका एक कारण इसराईल के प्रध ाानमंत्री नेतन्याहू और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच गहरी दोस्ती है। पुराने अच्छे दिनों में, किसी संघर्ष की स्थिति में भारत सबसे अधिक मांग वाला शांतिदूत होता। हालांकि, इस बार, जब से 28 फरवरी, 2026 को युद्ध शुरू हुआ है, अमरीका और इसराईल दोनों ने जानबूझकर भारत से दूरी बनाए रखी है। यह ईरान ही है, जिसने समय–समय पर भारत को 'ब्रीफिंग' देने का एक सिलसिला बनाए रखा है। भारत इसराईल के प्रति पक्षपाती रहा है–ताजा प्रकरण इसराईल की आलोचना करने वाले ब्रिक्स देशों के मसौदा प्रस्ताव पर भारत का वीटो है। इसके बावजूद, अमरीका–इसराईल धुरी ने भारत को 'बाहर' रखा और इसकी बजाय पाकिस्तान को मध्यस्थ के रूप में चुना। भारत अब यह दिखावा नहीं कर सकता कि पश्चिम एशियाई युद्ध ने देश को प्रभावित नहीं किया है। इसने दुनिया के अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुंचाया है, विशेष रूप से उन देशों को, जिनके वैश्विक व्यापार, वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं और समुद्री हितों में महत्वपूर्ण दाव लगे हैं। आइए 28 फरवरी, 2026 को युद्ध शुरू होने के बाद से कुछ भारतीय आर्थिक संकेतकों पर नजर डालें (अंत में तालिका देखें)

विवरण	28 फरवरी, 2026	28 अप्रैल, 2026
ब्रेंट कच्चा तेल:	67 डॉलरध्बैरल	110 डॉलर,बैरल
एल.पी.जी. सिलैंडर (घरेलू):	853 रुपए	913 रुपए
एल.पी.जी. सिलैंडर (वाणिज्यिक):	1,740 रु.	2,078 रु.
मुद्रास्फीति सी.पी.आई.:	3.21 प्रतिशत	3.40 प्रतिशत
मुद्रास्फीति डब्ल्यू.पी.आई.:	2.13 प्रतिशत	3.88 प्रतिशत
विदेशी मुद्रा भंडार :	728 अरब डॉलर	703 अरब डॉलर
विनिमय दर (बनाम डालर)	91.10 रु.	94.20 रु.
सैंसेक्स (बी.एस.ई.):	81,287	76,887
निफ्टी 50 (एन.एस.ई.	25,179	23,996
बेरोजगारी दर :	4.9 प्रतिशत	5.1 प्रतिशत

दुनिया राष्ट्रपति ट्रम्प के झांसे और शेखीबाजी से परिचित है। किसी ने भी उन पर विश्वास नहीं किया, जब उन्होंने दावा किया कि ईरान की वायु सेना और नौसेना को मिटा दिया गया है, या अब कोई ईरानी सैन्य संपत्ति नहीं बची, या ईरान में 'शासन' बदल गया है (एक या दो बार), या अमरीकी मसौदा प्रस्तावों को ईरान ने स्वीकार कर लिया है, या वहां (अलग–अलग समय पर) युद्धविराम था। ट्रम्प युद्ध को रोकते हैं, फिर से शुरू करते हैं और फिर विराम की घोषणा करते हैं। इस बीच, इसराईल ईरान और लेबनान पर हमले जारी रखता है और ईरान जवाबी कार्रवाई करता है। दुनिया जानती है कि जो युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था, वह कभी नहीं रुका। सरकार का दावा है कि 'सब सामान्य है'। आर.बी.आई. युद्ध की लागत और परिणामों के प्रति अधिक जागरूक लगता है। अपने अप्रैल बुलेटिन में, आर.बी.आई. ने 'वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं पर दबाव', 'ईंधन और भोजन से प्रेरित सी.पी.आई. मुद्रास्फीति', 'बॉन्ड यील्ड', 'आयात में मंदी' और 'अस्थिर एफ.आई.आई. प्रवाह' की ओर इशारा किया और चेतावनी दी कि 'यदि संघर्ष जारी रहता है और आपूर्ति शृंखलाएं जल्द बहाल नहीं होतीं, तो यह घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतियां पैदा कर सकता है। पैट्रोल और डीजल की कीमतों को बनाए रखने के अलावा (संभवतरू चुनावों के कारण), सरकार ने बहुत कम किया है। ऐसा लगता है कि सरकार एक मूक दर्शक बनी हुई है और घटनाओं को घटते देख रही है, इस मौन प्रार्थना के साथ कि वे भारतीय अर्थव्यवस्था को झुलसा न दें। भारत के लोग लचीले और सहनशील हैं। वे जानते हैं कि वे सरकार से बहुत कम मदद की उम्मीद कर सकते हैं। वे अपनी नौकरियों और आय की रक्षा के लिए चिंतित हैं। एल.पी.जी. की उच्च कीमत और आपूर्ति की अनिश्चितता का सामना करते हुए, घरों और भोजनालयों ने जलाऊ लकड़ी का उपयोग करना शुरू कर दिया है। औसत परिवार ने खपत में कटौती की है और अपनी बचत का उपयोग किया है। सतह पर, कोई व्यवध ाान या हताशा नहीं दिखती लेकिन ग्रामीण इलाकों में यात्रा करते समय देखा जा सकता है कि लोग चिंतित हैं। प्रधानमंत्री पूरी तरह से 4 राज्यों के विध ाानसभा चुनावों और सितम्बर 2023 में संसद द्वारा पारित महिला आरक्षण विधेयक को फिर से लागू करने के शरारतपूर्ण अभियान में डूबे हुए हैं।

ईरान को लेकर पाक की कूटनीति

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होरमुज जलडमरूमध्य में लागू की गई नौसैनिक नाकेबंदी ने ईरान की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाला है। इस नाकेबंदी का उद्देश्य केवल ईरान के तेल निर्यात को रोकना नहीं, बल्कि उसके आयात और वैश्विक व्यापार तक पहुंच को भी बाधित करना है लेकिन इसी बीच पाकिस्तान ने एक रणनीतिक कदम उठाते हुए छह प्रमुख जमीनी व्यापार मार्ग खोलकर इस नाकेबंदी में एक तरह से "छेद" कर दिया है, जिसने पूरे क्षेत्रीय समीकरण को बदल दिया है। होरमुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। अमेरिका द्वारा 13 अप्रैल से लागू की गई नाकेबंदी के चलते ईरान के बंदरगाहों से आने–जाने वाले जहाजों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। कई जहाजों को रोका गया है, कुछ को जब्त भी किया गया है। इस कारण ईरान के व्यापार प्रवाह में भारी बाधा आई है और उसकी अर्थव्यवस्था पर दबाव और बढ़ गया है। ईरान, जो पहले से ही अमेरिकी प्रतिबंधों से जूझ रहा था, इस नाकेबंदी के बाद और अधिक संकट में आ गया। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हुई और वैश्विक बाजारों तक उसकी पहुंच सीमित हो गई। ट्रंप ने यह दावा भी किया कि ईरान आर्थिक रूप से "ढह रहा है" और नकदी की भारी कमी का सामना कर रहा है। इस तरह की स्थिति में नाकेबंदी ईरान के लिए आर्थिक घेराबंदी का काम कर रही है। इसी तनावपूर्ण माहौल में पाकिस्तान ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस्लामाबाद ने छह जमीनी ट्रांजिट रूट्स को सक्रिय कर दिया, जो उसके प्रमुख बंदरगाहोंकृग्वादर, कराची और पोर्ट कासिमकृको ईरान की सीमा से जोड़ते हैं। इन मार्गों के जरिए अब सामान समुद्री रास्तों के बजाय जमीन के रास्ते ईरान पहुंचाया जा रहा है। खासकर वे हजारों कंटेनर, जो कराची बंदरगाह पर फंसे हुए थे, अब इन नए रास्तों से भेजे जा रहे हैं। इन मार्गों में ग्वादर–गब्द, कराची/पोर्ट कासिम से गब्द, ताफ्तान, और खेबर–पख्तूनख्वा से जुड़े कई रास्ते शामिल हैं। ये सभी मार्ग पाकिस्तान और ईरान के बीच 900 किलोमीटर लंबी सीमा को जोड़ते हैं, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संपर्क मजबूत होता है। इस पहल को पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी एक वैधानिक आदेश के तहत कानूनी रूप दिया गया है, जिसमें तीसरे देशों के सामान को पाकिस्तान के जरिए ईरान ले जाने की अनुमति दी गई है। यह कदम केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। विश्लेषकों का मानना है कि पाकिस्तान ने इस कदम के जरिए खुद को एक क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करने की कोशिश की है। साथ ही, यह चीन समर्थित ग्वादर बंदरगाह परियोजना को भी मजबूती देता है, जो क्षेत्रीय कनेक्टिविटी का एक अहम हिस्सा है। इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान की रणनीति काफी संतुलित नजर आती है। वह अमेरिका के साथ अपने संबंध भी बनाए रखना चाहता है, साथ ही ईरान और चीन के साथ आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को भी मजबूत कर रहा है। अफगानिस्तान के रास्ते व्यापार में आ रही बाधाओं को देखते हुए, पाकिस्तान इन वैकल्पिक मार्गों के जरिए अपनी आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करना चाहता है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान कि अमेरिका ईरान के खिलाफ अपनी नौसैनिक नाकेबंदी तब तक जारी रखेगा जब तक तेहरान उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंताओं का समाधान नहीं करता, इस बात का संकेत है कि वाशिंगटन अपनी रणनीति में और अधिक कठोर रुख अपना रहा है। यह केवल एक कूटनीतिक बयान नहीं, बल्कि पश्चिम एशिया में संभावित बड़े टकराव की चेतावनी भी है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय विवाद का विषय रहा है। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को आशंका है कि ईरान इस कार्यक्रम के जरिए परमाणु हथियार विकसित कर सकता है, जबकि ईरान लगातार यह कहता रहा है कि उसका कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों, जैसे ऊर्जा उत्पादन और वैज्ञानिक अनुसंधान, के लिए है। इस मुद्दे पर 2015 में एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ था, जिसे ईरान परमाणु समझौता के नाम से जाना जाता है।

काजिरंगा में हम

यह असम की पावन भूमि है,
छवि सुनहरी आज।
हरियाली का साम्राज्य यहाँ,
प्रकृति करती राज।
नीली आकाश की शीतल छाया,
बादलों का घर।
सूरज की लुका–छिपी में,
पुलकित होता हर तरुवर।।
पहुँचे हम काजिरंगा की धरती,
स्वप्न हुआ साकार।
श्वाह काजिरंगा लॉजश से,
निकली जीपसी की कतार।।
बैठकें खुले जिप्सी में,
प्रकृति की छवि निहारी।
वन्य जीवों के दर्शन की,
अब थी अपनी बारी।।
इस प्रकृति वन में वास है,
मुक्त जीवों का प्यारा।
कितनी सादगी सुंदरता की,
बहती निर्मल धारा ।
सच्ची, एक अजीब अहसास है,
हृदय हुआ अधीर।
सीखी स्वतंत्रता की गाथा,
छोड़ भय की ज़ंजीर।
पहले तो थोड़ा डर सा था,
मन में थी हलचल।
हाथी जब छूकर गुज़रा,
रोमांचित हुआ हर पल।
हिरणों की दौड़ाई देखे,
वे झूमते थे इधर–उधर।
प्रकृति के इस खेल को,
निहारती थी हर नज़र।।
पक्षियों का नाना कलरव,
करता मीठी गुंजार।
प्रकृति वन में मानो दिखी,
राम लक्ष्मण की छवि सार।।
मन में आ गईं चित्रकूट की,
पवित्र और भोली बातें।
सच्ची, प्रकृति तू है अमरता की,
पूजनीय गाथाएँ।।
तेरे गर्भ में डिंगो विल,
जल का शांत पड़ाव।
बाहरी पक्षियों का आना जाना,
करता शुद्ध भाव।
बत्तख और गेंदा की दोस्ती,
अद्भुत प्रेम की वाणी।
दूर–दूर तक फैलती है,
यह मित्रता की कहानी।
भैंस की छवि देखी हमने,
वन्य सुअर भी दिखा।
ड्राइवर भैय्या ने बताई,
एक कहानी अविस्मरणीय।
श उड़ियाम श वृक्ष पे बाघ की,
नाखून धार के निशान।
सुनकर विश्वास हुआ,
यह वन है कितना महान।
वेस्टर्न रेंज में हम चलें,
जीपसी की कतारें भागीं।
साँसों में वन्य जीवों के प्रति,
शुद्ध भावनाएँ जागीं।।
काजिरंगा तू सिर्फ़ वन नहीं,
तू जीवन का धाम।
तुझमें जीवन का सत्य है,
तुझे मेरा प्रणाम ।

डॉ. अनुजा बेगम
मो. 9365607584, गुवाहाटी (असम)

चिंता और तनाव

हमारे खाने से लेकर हमारे चलने तक और बी. पी. शुगर नापने तक आशंका बनी रहती है सही है कि हम सेहत पर नजर रख रहे हैं पर कई बार हम इन छोटी-मोटी बीमारियों को इतना ज्यादा गंभीरता से ले लेते हैं कि हमें लगता है कि कोई सीरियरस बीमारी है। यह कोविड काल के बाद ज्यादा हो गया है। टेस्ट रिपोर्ट सही आने के बाद भी लोगों को लगता है कि कुछ तो गड़बड़ है।

आजकल की भाग दौड़ में और व्यस्त जिन्दगी में हम इतना खो गये हैं कि हमें अपने और अपनों के लिए समय ही नहीं रहा। घर की समस्याओं का प्रेशर, आफिस का प्रेशर इंसान को कमजोर और चिन्ताजनक बना देता है जिस कारण मानसिक तनाव की स्थिति पैदा होना स्वाभाविक है। पारिवारिक परिस्थितियां इंसान की चिंता पर सीधा असर डाल सकती हैं। लोगों का बात–बात पर उत्तेजित होना, दुर्व्यवहार, वित्तीय तनाव, अत्याधिक जुड़ाव परिवार के प्रति यह सभी चिंता के स्तर को प्रभावित कर सकते हैं। परिवार में एक दूसरे के प्रति अपेक्षाएं थोपना, शांतिदूत या नायक बनना दूसरों के लिए अपनी जरूरतों और भावनाओं का त्याग करना भी तनाव और चिंता बढ़ा सकता है। चिंता इंसान के जीवन में उसी तरह प्रभाव डाल सकती है जिस तरह चिंता होती है। चिंता तो मृत शरीर को एक साथ जलाती है लेकिन चिंता जीवित शरीर को धीरे–धीरे जलाती है।

आपके जीवन में परिवार के अलावा और भी चीजें चिंता का विषय बन सकती हैं लेकिन इनमें से खास है सेहत की चिंता जोकि इंसान को बीमार न होते हुए भी सोच–सोच कर बीमार कर देती है। हमारी नकारात्मक सोच ही हमें बीमार और चिंताजनक बनाती है। हमारे खाने से लेकर हमारे चलने तक और बी.पी. शुगर नापने तक आशंका बनी रहती है। सही है कि हम सेहत पर नजर रख रहे हैं पर कई बार हम इन छोटी–मोटी बीमारियों को इतना ज्यादा गंभीरता से ले लेते हैं कि हमें लगता है कि कोई सीरियस बीमारी है। यह कोविड काल के बाद ज्यादा हो गया है। टेस्ट रिपोर्ट सही आने के बाद भी लोगों को लगता है कि कुछ तो गड़बड़ है। हेल्थ एंग्जायटी इसी को कहते हैं कि कुछ न होने के बाद भी हेल्थ को लेकर इतनी चिंता होती है कि इंसान डाक्टर के पास दौड़ता है और हर महीने मेडिकल टेस्ट कराता रहता है। निरंतर इस तरह के विचार से व्यक्ति के सोचने समझने की क्षमता कमजोर हो जाती है और उस पर बीमारी का डर हावी हो जाता है। हेल्थ एंग्जाइटी से जुड़े कई लक्षण देखने को मिलते हैं जैसे कि रिपोर्ट सामान्य आने के बाद भी चिंता करते रहना। शरीर में दर्द या त्वचा की जांच कराना। दिल की धड़कन तेज होना, पसीना आना, सांस फूलना, हाथ पैर फूलना। हर समय इंटरनेट पर लक्षण सर्च करते रहना और उसे कोई गंभीर बीमारी के रूप में सोच लेना। चिकित्सा परीक्षणों में कोई समस्या न दिखने पर भी हाइपोकोन्ड्रियासिस से ग्रस्त लोगों को बीमारी होने की चिंता के अलावा किसी और चीज पर ध्यान केन्द्रित करने में परेशानी हो सकती है। उनकी लगातार स्वास्थ्य सम्बन्धी चिंतायें उनके रिश्ते, करियर और जीवन में प्रभाव डाल सकती हैं। चिंता का विषय यह भी हो सकता है कि बचपन में कोई बीमारी का होना किसी प्रियजन की मृत्यु होना। ऐसी तनावपूर्ण जीवनशैली भी व्यक्ति को एग्जाइटी में ला सकती है। कुछ लोग तो बीमारी के डर से निकटतम लोगों से दूर रहते हैं।

सीमा वर्णिका की कलम से

लव जिहाद

आशंका से रेखा का दिल जोर–जोर से धड़क रहा था। पता नहीं क्या होने वाला है। उसने रतन और उसके साथी की बातें सुन ली थीं वह लोग कोई योजना बना रहे थे।

काश मैं इस प्यार व्यार के चक्कर में न पड़ी होती, रेखा मन ही मन पछता रही थी ।

कितना माँ बाबूजी ने समझाया उसे.. उसकी तो अक्ल पर पत्थर पड़ गए थे, रेखा सोच में डूबी थी। तभी दोनों की नज़र रेखा पर पड़ गई।

देखो रेखा अब तुम यहाँ से वापस नहीं जा सकती.. भलाई इसी में है कि तुम हमारी बात मानो और हमारे मिशन में शामिल हो जाओ, रतन उर्फ़ सैफ़ तैश में बोलते हुए बाहर चला गया। यह एक आतंकवादी संगठन था जो लड़कियों को प्यार के चंगुल में फँसा कर पहले धर्म परिवर्तन कराते फिर उनका इस्तेमाल अपनी आतंकी गतिविधियों में करते थे। रेखा को सब समझ आ गया था। वह बुरी तरह से पछता रही थी।

हे भगवान ! क्यों इस रतन की मीठी बातों में आ गई थी.... तब क्या पता था कि लव जिहाद का शिकार हो जाएंगे ..बहुत बुरे फँस गए हैं अब.. तुम ही बचा सकते हो प्रभु, रेखा बुदबुदा रही थी।

मैं रेखा से रज़िया बन मानव बम बँनू या बम विस्फोट कर ज़िंदगियाँ तबाह करूँ। अरे! मौत को गले लगाना ही है तो रजिया हो या रेखा ..क्या फर्क पड़ता है, रेखा का दिमाग शून्य हो रहा था।

कुछ तो करना होगा.. मरना तो तय है.. पर हार नहीं मानूँगी, रेखा सोच रही थी।

उसका गला सूख रहा था पानी लेने के लिए रसोई की तरफ बढ़ी। भोजन तैयार था।

वहाँ ताख में रखी चूहे मारने की दवा देखते उसकी आँखें चमक उठीं।

पानी पीकर रसोई घर से बाहर आ गयी। भोजन परोसा जा रहा था। वह मौक़ा देख रही थी। थोड़ी देर में शोर सा होने लगा। अफरा तफरी मच गयी।

अरे! यह खाने में क्या था.. सब की तबीयतें अचानक कैसे खराब हो रही.. अरे.. कुछ दवा दारू लाओ, चिल्लाने की आवाजें आ रही थीं।

रेखा खंडहरों से निकलकर शहर जाने वाली सड़क पर दौड़ रही थी।

सीमा वर्णिका,
कानपुर

क्या सच में आदित्य रॉय कपूर को डेट कर रहीं हैं तारा सुतारिया

तारा सुतारिया अपनी प्रोफेशनल से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। बीते दिनों तारा सुतारिया वीर पहाड़िया के रिलेशन में थी लेकिन साल की शुरुआत में ही उनके ब्रेकअप की खबरें आई थी लेकिन उनकी तरफ से कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आई है। उनकी दूरियों को देखते हुए यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि दोनों की राहें अब अलग हो गई हैं। इसके बाद अब फिर से उनकी लव लाइफ को लेकर चर्चा तेज हो गई। सुनने में आ रहा है कि तारा आशिकी फेम आदित्य रॉय कपूर को डेट कर रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार तारा सुतारिया आदित्य रॉय कपूर को डेट कर रही हैं। उनकी निजी मुलाकातों को देखते हुए उनके प्यार की चर्चा बढ़ती जा रही है। दोनों में से अभी किसी ने भी इस बात की पुष्टि नहीं की है लेकिन दोनों को साथ में देखकर फैंस काफी खुश हैं। 2025 में तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया ने अपने रिश्ते को मुहर लगा दी थी। हर जगह दोनों साथ में नजर आते थे लेकिन ए.पी ढिल्लों की तारा सुतारिया के संग वीडियो के बाद दोनों की ब्रेकअप की खबरें आने लगीं।

> “ उनकी निजी मुलाकातों को देखते हुए उनके प्यार की चर्चा बढ़ती जा रही है। दोनों में से अभी किसी ने भी इस बात की पुष्टि नहीं की है लेकिन दोनों को साथ में देखकर फैंस काफी खुश हैं।

प्रेगनेंसी के बीच संभावना सेठ ने शेयर किया मजेदार वीडियो, गुरु रंधावा के गाने के साथ मनाया जश्न

संभावना का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में संभावना सिंगर गुरु रंधावा के गाने 'वोग' पर जमकर नाच रही हैं। वे आसमानी नीले रंग के सुंदर लहंगे में सजी हुई हैं, हल्का मेकअप किया है और बाल खुले रखे हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, उफ ये खुशी, मां बनने वाली हूं। हर दिन इसे सेलिब्रेट कर रही हूं। 30 अप्रैल को संभावना और उनके पति अविनाश द्विवेदी ने मिलकर यह खुशखबरी दी थी कि वे सरोगेसी के जरिए अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने इस घोषणा के साथ कई तस्वीरें और सोनोग्राफी रिपोर्ट शेयर की थी। साथ ही कैप्शन में उन्होंने लिखा, श्हमारी सबसे खूबसूरत कहानी अब प्यार, उम्मीद और सरोगेसी के जरिए बन रही है। काउंटडाउन शुरू हो चुका है। संभावना और अविनाश की शादी को 10 साल हो चुके हैं। इस दौरान उन्होंने IVF की कई कोशिशें कीं। कुछ साल पहले संभावना प्रेग्नेंट हुई थीं, लेकिन मिसकैरेज हो गया था। उन्होंने अपनी सारी खुशियां और तकलीफें खुलकर सोशल मीडिया और यूट्यूब पर शेयर की थीं। अब वह खुश हैं क्योंकि वह जल्द ही सरोगेसी के जरिए मां बनने वाली हैं और वह हर दिन इस खुशी का जश्न मना रही हैं।

मां बनने के बाद कटरीना कैफ की पहली पब्लिक अपीयरेंस, साथ में दिखे पति विक्की

कटरीना कैफ पिछले काफी वक्त से लाइमलाइट से दूर हैं। उन्होंने पिछले साल अपने बेटे को जन्म दिया है। अब बेटे के जन्म के बाद पहली बार कटरीना कैफ सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं। पति विक्की कौशल के साथ कटरीना को बीती रात एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। पेरेंट्स बनने के बाद पहली बार ये कपल साथ में नजर आया है। दोनों को साथ में देखकर फैंस काफी उत्साहित हो गए, वहीं कपल ने भी पैप्स को रुक कर पोज दिए। पिता बनने के बाद विक्की कौशल कई इवेंट्स में और सार्वजनिक रूप से भी नजर आए हैं। लेकिन कटरीना कैफ बेटे को जन्म देने के बाद से लाइमलाइट से दूर हैं। अब पहली बार कपल माता–पिता बनने के बाद सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं। एयरपोर्ट पर दोनों को स्पॉट किया गया, जहां दोनों ने पैपराजी के लिए खुशी–खुशी पोज दिया और बेहद सहज और स्टाइलिश लग रहे थे। विक्की ने काले रंग की टी–शर्ट और मैचिंग जींस पहनी थी, जिसके ऊपर उन्होंने भूरे रंग की जैकेट डाली थी। वहीं कैटरीना काले रंग के आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, जिसे उन्होंने ओवरकोट और स्टाइलिश काले सनग्लासेस के साथ पूरा किया था। हालांकि, इस दौरान बेबी कौशल यानी बेटे विहान साथ में नहीं दिखे। जिसे लेकर कई फैंस ने सवाल भी किया। विक्की कौशल और कटरीना कैफ ने गुपचुप तरीके से एक–दूसरे को डेट किया था। कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद कपल ने 2021 में राजस्थान के सिक्स सेंस फोर्ट बरवारा में एक भव्य समारोह में शादी की। हालांकि, शादी में सिर्फ करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य ही शामिल हुए थे। कपल ने नवंबर 2025 में अपने पहले बच्चे बेटे विहान कौशल का स्वागत किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो विक्की कौशल आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'छावा' में नजर आए थे। यह बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। अब वो संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में दिखाई देंगे। इसमें उनके साथ आलिया भट्ट और रणबीर कपूर भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। वहीं कटरीना कैफ आखिरी बार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'मेरी क्रिसमस' में नजर आई थीं। श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ विजय सेतुपति प्रमुख भूमिका में दिखाई दिए थे।

एक बार फिर कपिल शर्मा के कैप्स कैफे के पास फिर हुई फायरिंग...धमकी देते हुए कहा कि, अब किसी की सिफारिश पर नहीं रुकेंगे

एक बार फिर से कपिल शर्मा निशाने पर आ गए हैं। दिन ब दिन उनकी परेशानियां कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। आपको बता दें कि एक बार दोबारा से कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा वाले रेस्टोरेंट कैप्स कैफे के पास फायरिंग की गई। 2 मई को कनाडा में सुबह ये गोलीबारी की गई और इसकी जिम्मेदारी फिर से बिश्नोई गैंग ने ली है। इस फायरिंग के बाद एक पोस्ट वायरल हो गई है, जिसमें कपिल शर्मा को धमकाया गया है। टायसन बिश्नोई जोरा सिद्धू द्वारा इस पोस्ट को सांझा किया है, इसमें लिखा है कि, अभी तो हमने बींप`नजजं इंत पर फायरिंग की है लेकिन अगला नंबर तुम्हारा ही है। इस बार अगला नंबर तेरे कैफे और मुंबई वाले घर का होगा और अब हम किसी की सिफारिश पर नहीं रुकेंगे। कपिल शर्मा के कैफे पर ये फायरिंग पहली बार नहीं है। इससे पहले भी 2 बार कपिल शर्मा के कैफे पर गोलीबारी की जा चुकी है और इसकी जिम्मेदारी बिश्नोई गैंग ने ली थी। अब हाल में 2 मई को हुई फायरिंग की जिम्मेदारी भी बिश्नोई गैंग ने ली है। आपको बता दें पहले फायरिंग 2025 के जुलाई में और दूसरी 2025 के ही अगस्त महीने में हुई थी।

एकता कपूर की इस टॉप एक्ट्रेस ने एक्टिंग को कहा अलविदा सपने में आए प्रेमानंद महाराज जी और कृष्ण भक्ति में हो गई लीन

टीवी इंडस्ट्री में ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्होंने ग्लैमर की दुनियां को छोड़ भक्ति की राह अपना ली है। हाल ही में एक एक्ट्रेस ने भी ऐसा ही किया है। एकता कपूर के शो से घर–घर में अपनी पहचान बनाने वाली अन्ना जयसिंघानी ने एक्टिंग को अलविदा कह दिया है। ग्लैमर की इस चमक–धमक को छोड़ना कोई आसान बात नहीं है लेकिन जब मन भगवान में लग जाए तो सब कुछ बेकार लगने लगता है। ऐसी ही कहानी कुछ अन्ना जयसिंघानी की भी है। टीवी एक्ट्रेस अन्ना जयसिंघानी ने इस बाहरी दुनियां को छोड़ अध्यात्म का राह अपना लिया है। उनके यूट्यूब चैनल मेरो वृंदावन के माध्यम से उन्होंने बताया कि उन्हें अब ऐसी दुनियां बेकार लगती है, जहां भगवान का गुणगान न हो। बता दें कि अन्ना जयसिंघानी अपना घर छोड़ वृन्दावन में रहने लगी हैं। भगवान के नाम जाप से ही उन्हें अब शान्ति मिलती है। उनके करियर की बात की जाए तो बचपन से ही उनका रुझान नाचने–गाने और एक्टिंग में लगता था। इसी सपने को पूरा करने के लिए वो मुंबई आ गईं। कोरियोग्राफर का काम करते हुए 2011 में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की और इसके बाद ही उनकी एक्टिंग की शुरुआत हुई। उन्होंने टीवी के बहुत सीरियल में काम किया। एकता कपूर के एक सीरियल से उन्हें अपनी एक अलग पहचान मिली। अन्ना जयसिंघानी ने बताया की वो अक्सर अपने दोस्तों के साथ मुंबई के इस्कॉन मंदिर में जाया करती थीं। जिसके बाद से ही उनका मन भक्ति की तरफ बढ़ने लगा और उन्होंने शराब और मांसाहार से दूरी बना ली। यही से उनके बदलाव की शुरुआत हुई। इसी के साथ उन्होंने यह भी बताया कि एक दिन उन्हें प्रेमानंद जी का सपना आया, जिसमें उन्होंने अन्ना को नाम जाप करने के लिए कहा। इसी सपने ने उनके जीवन को बदल के रख दिया। इसके बाद से उन्होंने इस ग्लेमर की दुनियां को त्यागकर भक्ति की राह को अपनाया, अब वो वृन्दावन में रहती हैं।

गर्मियों में सेहत के साथ स्वाद भी देगी स्वादिष्ट आंवले की सब्जी, जानिए आसान रेसिपी

आंवले में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता हैं। यह हमारी पाचन क्रिया को सही कर शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। आयुर्वेद के अनुसार यह शरीर और दिमाग दोनों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। वैसे तो अधिकतर लोगों का अचार मुरब्बा चटनी बनाकर खाते है लेकिन आज आपको बताएंगे आंवले की सूखी सब्जी कैसे तैयार की जाती है।तो चलिए जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी के बारे में...

सामग्री

तेल – जरुरतअनुसार
आंवला – 9–10
सौंफ – 1 चम्मच
जीरा – 1 चम्मच
मेथी दाना – 1 चम्मच
राई – 1 चम्मच
हल्दी पाउडर – 1 चम्मच
सब्जी मसाला – 1 चम्मच
धनिया पाउडर – 1 चम्मच
नमक – स्वादानुसार
हरी मिर्च – 1–2
हींग – 1 चम्मच

बनाने की विधि

1. सबसे पहले आंवले को अच्छे से धोकर उबाल लें और ध्यान रहे आंवला ज्यादा पका या कच्चा न हो।

2. गैस ऑन करके कढ़ाई चढ़ाएं और उसमें जीरा, सौंफ, राई, मेथी दाने को रोस्ट कर, उसका पाउडर बना लें

3. अब उसी कढ़ाई में थोड़ा तेल डाल दें। जैसे ही तेल गर्म हो जाए तो उसमें हरी मिर्च और हींग डाल दें।

4. फिर एक मिनट के बाद उसी पिसे हुए मसालों का पाउडर कढ़ाई में डाल दे और अच्छे से मिलाएं।

5. इसके बाद जो हमने आवंले के पीस कट किए है उसे कढ़ाई में डालकर 2 मिनट तक चलाए

6. दो मिनट बाद इसमें हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, सब्जी मसाला डालकर अच्छी तरह भुन ले।

7. जब दो से तीन मिनट हो जाए तो कढ़ाई का ढक्कन खोलकर देख ले मसाले अच्छी आवले में मिल गए है के नहीं ।

8. अब इसमें स्वादानुसार नमक मिक्स करें और दो मिनट तक ढक दें। जब यह पक जाए तो गैस बंद कर दीजिए।

9. आपकी स्वादिष्ट आवंला की सब्जी बनकर तैयार है। रोटी के साथ सर्व करें।

नहीं पड़ेगी फटे हुए दूध को फेंकने की जरुरत, तैयार करें ये स्वादिष्ट चीजें

गर्मी के मौसम में चीजों को खराब होने से बचाना सबसे बड़ा काम होता है। चिलचिलाती गर्मी के कारण हर चीज बहुत ही जल्दी खराब होने लगती है। सबसे पहले दूध इस मौसम में खराब होने लगता है। कितना भी दूध को बचा लें यह फटने लग

जाता है। ऐसे में फटे हुए दूध को महिलाएं अक्सर फेंक देती हैं। आज आपको कुछ ऐसे हैक्स बताते हैं जिनके जरिए आप फटे हुए दूध से भी स्वादिष्ट चीजें तैयार कर सकती हैं। तो आइए जानते हैं इनके बारे में...

फटे हुए दूध से ब्रेड सैंडविच

ब्रेड सैंडविच आप फटे हुए दूध से बना सकती हैं। इसका पनीर बनाकर ब्रेड सेंडविच की स्टफिंग करें। यह खाने में भी स्वादिष्ट होगा और आपको एनर्जेटिक भी रखेगा ।

बनाएं रोटी के साथ भुर्जी

फटे हुए दूध से आप पनीर बनाएं और इसमें प्याज, मिर्ची, टमाटर व मसाले डालकर स्वादिष्ट भुर्जी तैयार कर लें। यह भुर्जी आप रोटी या फिर परांठे के साथ खा सकते हैं। यह भुर्जी प्रोटीन से भरपूर होती है और हेल्थ के लिए भी फायदेमंद होती है।

पनीर के परांठे

आप फटे हुए दूध से पनीर के परांठे भी तैयार कर सकते हैं। फटे हुए दूध से पनीर निकालें। इसके बाद इसमें मिर्ची, प्याज और गर्म मसाले मिलाकर स्वादिष्ट परांठे बना लें। इन पराठों का स्वाद आफ लंच या फिर नाश्ते कभी भी ले सकते हैं।

छेना की मिठाई

फटे हुए दूध के साथ आप स्वादिष्ट मिठाई छेना भी तैयार कर सकते हैं। इसके लिए चीनी और नींबू के रस की आपको जरुरत पड़ेगी। फटे दूध में नींबू और चीनी मिलाएं। फिर दूध का पानी निकालकर ठोस पदार्थ में चीनी मिला लें। इस तरह तैयार की गई स्वादिष्ट मिठाई का आप स्वाद ले सकते हैं।

प्रेग्नेंसी में इन फलों को अपनी डाइट में करें शामिल, मां और बच्चा दोनों रहेंगे स्वस्थ

किसी भी महिला के लिए प्रेग्नेंट होना उसके जीवन के सुखद अनुभवों में से एक होता है। हालांकि गर्भावस्था के दौरान मां और बच्चे को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। हर महिला अपने लिए सुरक्षित और स्वस्थ गर्भावस्था की चाह रखती है। लेकिन इस दौरान सबसे बड़ी समस्या होती है वह प्रेग्नेंट महिलाओं की डाइट में कौन–से फ्रूटस शामिल करना चाहिए। साथ ही किन फलों के सेवन से उन्हें परहेज करना चाहिए।

इन फलों से दूर रहें गर्भवती महिलाएं

पपीता

हालांकि पपीता पोषक तत्वों से भरपूर होता है। पपीता में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है। साथ ही यह सेहत के लिए भी हेल्दी फल होता है। लेकिन प्रेग्नेंसी के दौरान पपीते का सेवन करने से बचना चाहिए। पपीते में लैक्टेस मौजूद होता है। जिसके कारण गर्भाशय में संकुचन, रक्तस्राव और यहां तक घ्घकि मिसकैरेज भी हो सकता है। इसलिए गर्भावस्था में पके व कच्चे पपीते के सेवन से परहेज करना चाहिए।

अनानास

अनानास एक बेहद स्वादिष्ट और रसीला फल होता है। यह फल सेहत के लिए भी अच्छा होता है। लेकिन गर्भावस्था में इस फल के सेवन से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। क्योंकि अनानास में ब्रेमलीन एंजाइम मौजूद होता है। जिसकी वजह से समय से पहले प्रसव हो सकता है। इसलिए गर्भावस्था के दौरान अनानास खाने से बचना चाहिए।

अंगूर

आमतौर पर प्रेग्नेंट महिलाओं को अपनी डाइट में अंगूर को भी नहीं शामिल करना चाहिए। अंगूर में रेस्वेराट्रोल नामक एक यौगिक पाया जाता है। यह महिलाओं की सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके सेवन से मां और बच्चे दोनों की सेहत पर गंभीर असर पड़ सकता है।

डाइट में शामिल करें ये फ्रूट्स

केला

केले का सेवन गर्भावस्था के दौरान काफी फायदेमंद माना जाता है। केला कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होता है। यह महिलाओं को ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करता है। केले को आप अपनी डाइट में कई तरीके से शामिल कर सकते हैं। हालांकि अगर आपको एलर्जा या डायबिटीज की समस्या है तो प्रेग्नेंसी के दौरान आपको केला का सेवन करने से पहले एक्सपर्ट्स से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

सेब

गर्भावस्था के दौरान सेब का सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है। सेब में पोटैशियम और आयरन पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। जो महिलाओं के शरीर में पोषक तत्वों की जरूरतों को पूरा करने में मदद करता है।

संतरा

संतरे में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है। इसके अलावा सेब में फोलेट भी पाया जाता है। यह गर्भ में पलने वाले बच्चे के विकास में सहायक होता है।

शरीर में गर्मी नहीं पेट खराब कर सकता है आम, जान लो इसे खाने का सही तरीका

गर्मियों में सबसे ज्यादा इंतजार होता है फलों के राजा आम का , जिसका बीना तो गर्मी अधूरी लगती है। बच्चों से लेकर बूढ़ों तक यह सभी का पसंदीदा फल है। कुछ लोग तो दिन–रात बस इसे ही खाना पसंद करते हैं लेकिन बड़े–बुजुर्ग कहते हैं नाकिसी भी चीज की अति ठीक नहीं होती है, आम को लेकर भी कुछ ऐसा ही है। कहा जाता है कि ज्यादा आम मत खाने से शरीर में गर्मी बढ़ जाती है तो चलिए आज जानते हैं कि इस बात में कितनी सच्चाई है।

डॉक्टरों की आम को लेकर ये है राय

टाइम्स ऑफ इंडिया में में प्रकाशित आर्टिकल्स में डॉक्टरों ने आम को लेकर कुछ अलग बातें बताई हैं। डॉक्टर कहते हैं–आम को अक्सर गर्म फल कहा जाता है, जबकि वैज्ञानिक नजरिए से किसी भी खाने की पहचान उसके गर्म या ठंडा होने के बजाय, उसकी रासायनिक बनावट के आधार पर की जाती है। उन्होंने बताया कि आम में प्राकृतिक शर्करा और मैंगिफेरिन जैसे पौधों से मिलने वाले तत्व होते हैं। पाचन के दौरान ये शरीर में गर्मी पैदा करने की प्रक्रिया को थोड़ा बढ़ा सकते हैं। आम खाने के तुरंत बाद शरीर में गर्मी का एहसास थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन इससे व्यक्ति के शरीर का कोर टेम्परेचर (अंदरूनी तापमान) उस तरह नहीं बढ़ता, जैसा कि बुखार होने पर बढ़ता है।

शरीर का तापमान नहीं बढ़ाते आम

आसान शब्दों में कहें तो, आम असल में शरीर का तापमान नहीं बढ़ाते। लोगों को जो हल्का–फुल्का गर्मी का एहसास होता है, वह मेटाबॉलिज्म से जुड़ा होता है, और यह हर व्यक्ति में अलग–अलग हो सकता है। एक आम का मजा लेना, एक ही बार में तीन या चार आम खाने से बहुत अलग है। शरीर सिर्फ फल पर ही नहीं, बल्कि उसकी मात्रा पर भी प्रतिक्रिया करता है। डॉक्टर कहते हैं– बहुत ज्यादा आम खाने से आपको सेहत से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं... जैसे पेट फूलना, दस्त या पेट में ऐंठन, क्योंकि इस फल में फाइबर और फरक्टोज की मात्रा बहुत ज्यादा होती है।" अधिक फाइबर और फलों की चीनी से पेट खराब हो सकता है।

आम खाने से हो सकती हैं ये दिक्कतें

आम प्राकृतिक रूप से मीठे होते हैं, जो मधुमेह रोगियों के लिए महत्वपूर्ण है। कुछ लोगों को आम खाने के बाद मुंहासे या होंठों के आसपास जलन की शिकायत होती है। अधिक मात्रा में खाने पर आम कैलोरी से भरपूर होते हैं। दरअसल आम के छिलके के पास मौजूद चिपचिपे रस में उरुशियोल जैसे यौगिक होते हैं, जो उसी परिवार के होते हैं जो पॉइजन आइवी में पाए जाते हैं। यही कारण है कि कुछ लोगों को अपने होंठों पर खुजली या झुनझुनी महसूस होती है। गर्मियों के चरम पर, पाचन क्रिया थोड़ी धीमी हो जाती है, और शरीर में पानी की कमी होना आम बात हो जाती है। अगर आप इसके साथ ज्यादा मात्रा में मीठे फल भी खा लें, तो शरीर भारी या ज्यादा गर्म महसूस हो सकता है।

सिर्फ मसाला नहीं, सेहत का खजाना है यह खास पत्ता 14 दिन में दिखेंगे गजब के फायदे

हम सभी रसोई में तेज पत्ते का इस्तेमाल स्वाद बढ़ाने के लिए करते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि यह सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। तेज पत्ते में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यही वजह है कि अब इसे हेल्दी ड्रिंक के रूप में भी अपनाया जा रहा है।

आयुर्वेद में क्यों खास है

आयुर्वेद में तेज पत्ते को पाचन तंत्र को सुधारने और शरीर को डिटॉक्स करने वाला माना गया है। डाइट एक्सपर्ट श्वेता जे. पांचाल के मुताबिक, अगर इसका सेवन सीमित मात्रा में और नियमित रूप से किया जाए, तो शरीर में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

अगर आप लगातार 14 दिनों तक तेज पत्ते का पानी पीते हैं, तो यह पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। इससे गैस, पेट फूलना और एसिडिटी जैसी समस्याओं में धीरे–धीरे राहत मिल सकती है। जिन लोगों को बार–बार अपच की शिकायत रहती है, उनके लिए यह एक आसान घरेलू उपाय साबित हो सकता है।

ब्लड शुगर और सूजन पर असर

तेज पत्ते का पानी ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखने में सहायक माना जाता है। इसके साथ ही इसमें मौजूद एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण शरीर की सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, इसे किसी दवा का विकल्प नहीं

माना जाना चाहिए।

इम्युनिटी और मानसिक स्वास्थ्य में मददगार

इसका नियमित सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकता है। साथ ही, यह नर्वस सिस्टम पर भी हल्का सकारात्मक असर डालता है, जिससे तनाव कम करने में मदद मिल सकती है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में यह एक छोटा लेकिन असरदार बदलाव हो सकता है।

कैसे तैयार करें तेज पत्ते का पानी

तेज पत्ते का पानी बनाना बेहद आसान है। 2,3 तेज पत्तों को 2 कप पानी में 5 से 7 मिनट तक उबालें। फिर इसे छानकर हल्का गुनगुना ही पिएं। सुबह खाली पेट इसका सेवन करना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

सेवन से पहले इन बातों का रखें ध्यान

किसी भी चीज की तरह इसका सेवन भी सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। दिन में एक बार से ज्यादा इसका सेवन नहीं करना चाहिए। ज्यादा मात्रा में लेने से नुकसान हो सकता है। अगर आप पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे हैं या गर्भवती हैं, तो इसे शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

संक्षिप्त

दिल्ली हाईकोर्ट ने स्पाइसजेट पर लगाया 50 हजार का जुर्माना, रियल एस्टेट निवेश में 37प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली,एजेंसी। इससे पहले 19 जनवरी को हाईकोर्ट ने स्पाइसजेट और अजय सिंह को 194 करोड़ रुपये की स्वीकृत देनदारी के खिलाफ 144 करोड़ रुपये अदालत की रजिस्ट्री में छह हफ्तों के भीतर जमा करने का निर्देश दिया था। बाद में 18 मार्च को इस समयसीमा को चार हफ्तों के लिए बढ़ा दिया गया था। स्पाइसजेट और अजय सिंह ने इस आदेश पर पुनर्विचार की मांग करते हुए दलील दी थी कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण कंपनी वित्तीय संकट से गुजर रही है। कंपनी ने गुरुग्राम की एक व्यावसायिक संपत्ति को सुरक्षा के रूप में देने का प्रस्ताव भी रखा और यह भी कहा कि केंद्र सरकार से कुछ सहायता मिलने की संभावना है। भारतीय रियल एस्टेट मार्केट में निवेश में 2026 की पहली तिमाही में जोरदार वृद्धि देखने को मिली है और यह 2026 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 37 प्रतिशत बढ़कर 1.7 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। जेएलएल की रिपोर्ट में कहा गया कि जनवरी से मार्च अवधि के दौरान बड़ी संपत्तियों के अधिग्रहण की तरफ एक संरचनात्मक बदलाव देखने को मिला है और इनकी वैल्यू 178 प्रतिशत बढ़कर 1.03 अरब डॉलर हो गई है। दूसरी तिमाही में यह रुझान और तेज हो गया है, जिसमें बड़ी संपत्तियों के सौदों का कुल मूल्य 1.48 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो स्थिर, आय–सृजन करने वाली संपत्तियों में निरंतर विश्वास का संकेत देता है। जेएलएल इंडिया की वरिष्ठ प्रबंध निदेशक और पूंजी बाजार प्रमुख लता पिल्लई ने कहा कि यह स्थिर, आय–सृजन करने वाली संपत्तियों की ओर एक मूलभूत बदलाव को दर्शाता है, जबकि कार्यालय क्षेत्र का प्रभुत्व मजबूत परिचालन आधार को दर्शाता है। पिल्लई ने कहा कि सीमा पार के निवेशकों द्वारा सफलतापूर्वक सौदे पूरे किए जाने से सौदों की गति मजबूत बनी हुई है। भारत का संरचनात्मक विकास हमें 2026 तक इस विकास पथ को बनाए रखने के लिए अच्छी स्थिति में रखता है। उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का निवेश बाजार लचीलापन प्रदर्शित कर रहा है।

क्या अब भी पोर्टफोलियो में रखना चाहिए सोना?, जानें विशेषज्ञों की राय

जब सोने की कीमत अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई से करीब 18 फीसदी टूट चुकी हो, तब निवेशक के मन में सवाल उठना लाजिमी है। बाजार में मची हलचल ने निवेशकों को दोराहे पर खड़ा कर दिया है। वे सोच रहे हैं कि क्या गिरावट में बाहर निकल जाना सही है या फिर सस्ते दौर का फायदा उठाकर पोर्टफोलियो को और मजबूत करना चाहिए? कानपुर के किदवई नगर में रहते हैं मनोहर पाल। इन दिनों थोड़े परेशान हैं। इस साल की शुरुआत यानी जनवरी में जब सोने की कीमतें आसमान छू रही थीं और हर तरफ सोने का शोर था, तो उन्होंने अपनी जमा–पूंजी का एक बड़ा हिस्सा सोने में निवेश किया था। मनोहर को लगा था कि यह सुरक्षित दांव है। लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में बाजार की हवा ऐसी पलटी कि जो सोना एमसीएक्स पर 1,80,779 रुपये दस ग्राम और कॉमेक्स पर 5,595 डॉलर प्रति औंस (29 जनवरी, 2026) के शिखर पर था, वह अब 17.98: गिरकर एमसीएक्स पर 1,49,502 रुपये और कॉमेक्स पर 4,589 डॉलर प्रति औंस (28 अप्रैल, 2026) पर आ गया। अगर आप भी मनोहर की तरह टॉप पर निवेश करके अब गिरावट से डरे हुए हैं, तो देश के चार बड़े विशेषज्ञों की राय जानिए, जो आपकी सही फैसला लेने में मदद करेगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि सोने का लॉन्ग–टर्म बुल रन अभी खत्म नहीं हुआ है। इसके पीछे कई मजबूत कारण हैं–

डी–डॉलराइजेशन– वैश्विक स्तर पर डॉलर पर निर्भरता कम करने की प्रवृत्ति।

केंद्रीय बैंकों की खरीद– दुनियाभर के केंद्रीय बैंक लगातार सोना खरीद रहे हैं।

भू–राजनीतिक तनाव– अमेरिका–ईरान और अन्य वैश्विक संघर्षों के चलते अनिश्चितता बरकरार है।

कच्चे तेल की कीमतें– तेल के बढ़ते दाम महंगाई बढ़ा रहे हैं, जिससे बचने के लिए सोना एक ढाल है।

निवेश की रणनीति

बाजार में उतार–चढ़ाव को देखते हुए एकमुश्त पैसा फंसाने के बजाय ळवसक म्न्थ् या क्पहपजंस ळवसक में हर महीने SIP के जरिये निवेश करें।

अपने कुल निवेश का 10 से 15 फीसदी हिस्सा ही सोने में रखें। यह आपके इक्विटी पोर्टफोलियो की गिरावट को संतुलित करेगा।

दसोने को आज खरीदो और कल बेचो वाला सौदा न समझें। इसे 5 से 10 साल के नजरिये से देखें, तभी आप डबल डिजिट ब।ळत का असली फायदा उठा पाएंगे।

तीनों फॉर्मेट खेलने को लेकर किया बड़ा एलान, मीडिया से क्यों कहा– टेंशन न लें?

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने च्ै- 2026 जीतने के बाद अपने भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया। जब प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनसे पूछा गया कि क्या अब वह किसी एक फॉर्मेट पर ज्यादा ध्यान देंगे, तो बाबर ने बीच में ही जवाब देते हुए कहा, टेंशन न लें, मैं तीनों फॉर्मेट खेलूंगा। बाबर की कप्तानी में पेशावर जाल्मी ने पीएसएल का दूसरा खिताब जीता। हालांकि फाइनल में बाबर गोल्डन डक पर आउट हो गए, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। बाबर आजम ने कहा, श्यह खिलाड़ी का काम नहीं है कि वह तय करे कौन सा फॉर्मेट छोड़े। खिलाड़ी का काम खेलना है। मेरी राय में हर खिलाड़ी को क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट खेलने चाहिए। सिर्फ व्हाइट–बॉल या टी20 पर ध्यान नहीं देना चाहिए। रेड–बॉल क्रिकेट आपको बहुत अनुभव देता है। यह आपको पारी बनाना और धैर्य रखना सिखाता है। उन्होंने आगे कहा, जब आप चार दिन का क्रिकेट या घरेलू क्रिकेट खेलते हैं तो लंबे रन बनाने का अनुभव मिलता है। टेस्ट क्रिकेट से जो धैर्य और मानसिकता मिलती है, उसका फायदा वनडे और टी20 में भी होता है। अपने करियर में पहली बार पीएसएल ट्रॉफी जीतने पर बाबर बेहद खुश नजर आए। उन्होंने कहा, देर आए दुरुस्त आए। कभी चीजें देर से मिलती हैं और कभी जल्दी मिल जाती हैं।

इस सीजन बाबर आजम ने 11 मैचों में 588 रन बनाए और टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। हालांकि टी20 क्रिकेट में उनकी स्ट्राइक रेट और बल्लेबाजी शैली को लेकर सवाल उठते रहे थे। इस पर बाबर ने कहा, श्जहां तक बल्लेबाजी की बात है, मैं खुद अपनी उम्मीदों के मुताबिक

प्रदर्शन नहीं कर पाया था। लेकिन ऐसा होता है। कभी–कभी आप अपनी योजना के मुताबिक चीजें लागू नहीं कर पाते। बाबर ने बताया, ऐसे समय में आप खुद को देखते हैं, गलतियों का विश्लेषण करते हैं और उन्हें सुधारते हैं। मैंने भी यही किया। मेरे परिवार और करीबी दोस्तों ने मेरा बहुत साथ दिया। कोचों से बात की और अपने खेल पर काम किया। जिंदगी रोलरकोस्टर की तरह चलती है, कभी अच्छा समय आता है तो कभी बुरा। बाबर ने कहा, वर्ल्ड कप से लौटने के बाद मैं उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाया था, इसलिए थोड़ा निराश था। लेकिन मेरे पास ज्यादा समय नहीं था। मैंने अपनी गलतियां देखीं, तकनीक और मानसिकता पर काम किया। इस पीएसएल में मेरा लक्ष्य सिर्फ नैचुरल गेम खेलना था। बाबर के इस बयान के बाद साफ है कि वह आने वाले समय में पाकिस्तान के लिए तीनों फॉर्मेट में खेलते रहना चाहते हैं।

ज्वेरेव को हराकर सिनर ने लगातार पांचवां मास्टर्स 1000 खिताब जीता, मैड्रिड ओपन अपने नाम किया

विश्व नंबर एक यानिक सिनर ने एलेक्जेंडर ज्वेरेव को मात देकर मुतुआ मैड्रिड ओपन में मेंस सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने लगातार पांचवीं बार एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। 58 मिनट के एकतरफा मुकाबले में इतालवी खिलाड़ी ने 6–1, 6–2 से जीत हासिल की, जिसके साथ उन्होंने एलीट स्तर पर अपनी शानदार लय को बरकरार रखा है। जीत के साथ, सिनर 1990 में इस सीरीज की शुरुआत के बाद से लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह उनकी हर तरह की सतह पर जबरदस्त पकड़ को दिखाता है। सिनर ने शुरू से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने शुरुआत में ही ज्वेरेव की सर्विस तोड़ी और उन्हें कभी भी अपनी लय में आने का मौका नहीं दिया। उन्होंने अपने चारों ब्रेक प्वाइंट्स को भुनाया, जबकि अपनी सर्विस पर उन्हें एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा। उनकी पहली सर्विस की सटीकता कमाल की थी, उन्होंने उन प्वाइंट्स में से 93 प्रतिशत जीते और बेसलाइन से सटीक नियंत्रण के साथ रैली को अपने पक्ष में किया। एटीपी ने सिनर के हवाले से कहा, श्मैंने मैच की शुरुआत बहुत अच्छी की और तुरंत ही उनकी सर्विस तोड़ दी। आज वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं खेल रहे थे, इसलिए मैंने आक्रामक होकर खेलने की कोशिश की। मैं जिस स्तर का खेल दिखा रहा हूं, उससे बहुत खुश हूं। इस तरह एक और खिताब जीतना अविश्वसनीय है। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यह एक और शानदार टूर्नामेंट रहा है। मैड्रिड का यह खिताब सिनर का नौवां मास्टर्स 1000 खिताब है। यह उस शानदार दौर की पराकाष्ठा है, जिसकी शुरुआत पिछले साल अक्टूबर में शंघाई में उनके रिटायर होने के बाद हुई थी। तब से, 24 वर्षीय खिलाड़ी ने पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे–कार्लो और अब मैड्रिड में खिताब जीते हैं। इस दौरान उन्होंने इन सभी टूर्नामेंट्स में मिलाकर सिर्फ कुछ ही सेट्स गंवाए हैं। खास बात यह है कि सिनर इस सीजन के शुरुआती चारों मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट जीतने वाले भी पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए सनशाइन डबल पूरा किया था और फिर मोंटे–कार्लो में कार्लोस अल्काराज को हराया था। यह इतालवी खिलाड़ी अब और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की कगार पर खड़ा है। वह प्रतिष्ठित करियर गोल्डन मास्टर्स पूरा करने से सिर्फ एक खिताब दूर हैं। यह उपलब्धि अब तक सिर्फ नोवाक जोकोविच ने ही हासिल की है। सिनर के पास अपने घरेलू मैदान पर होने वाले आगामी रोम मास्टर्स में इस उपलब्धि को हासिल करने का मौका होगा।

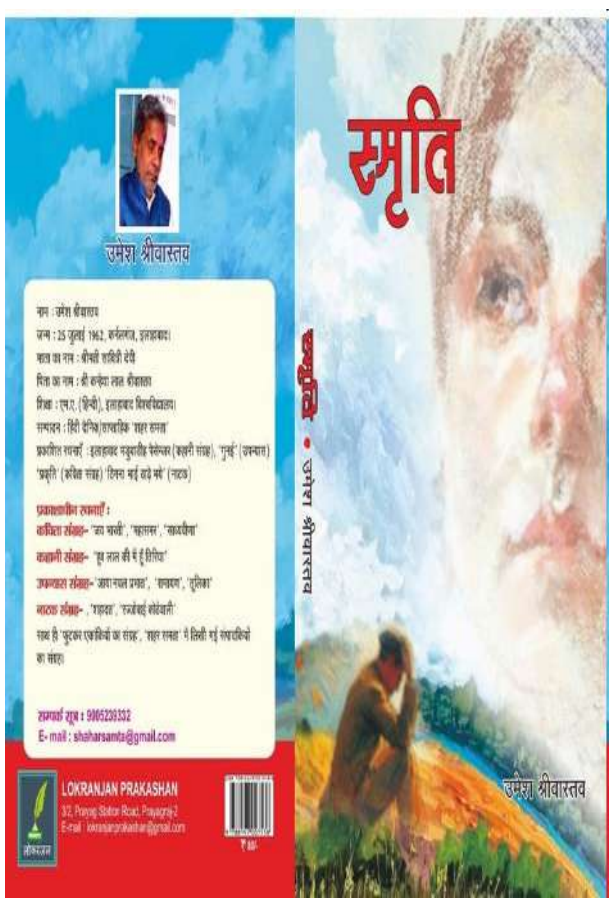

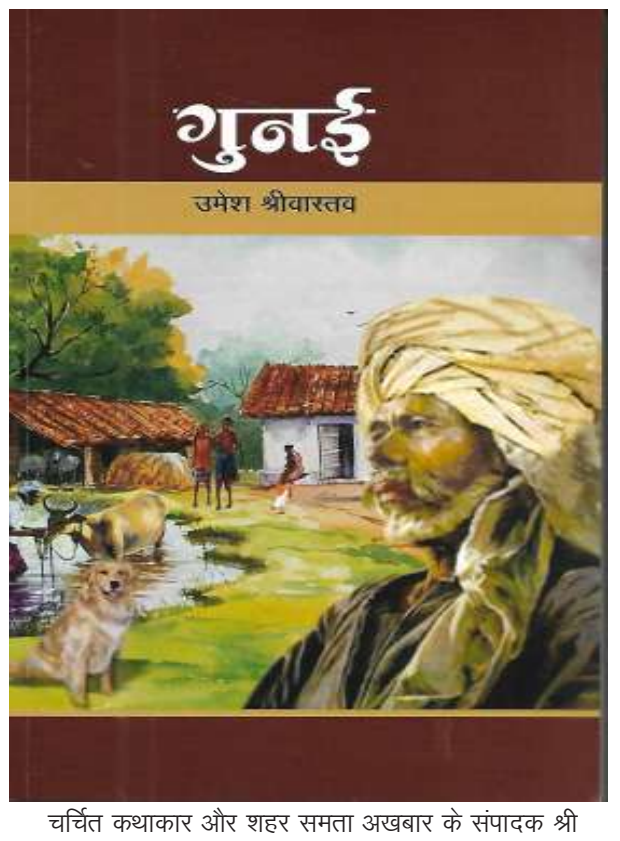

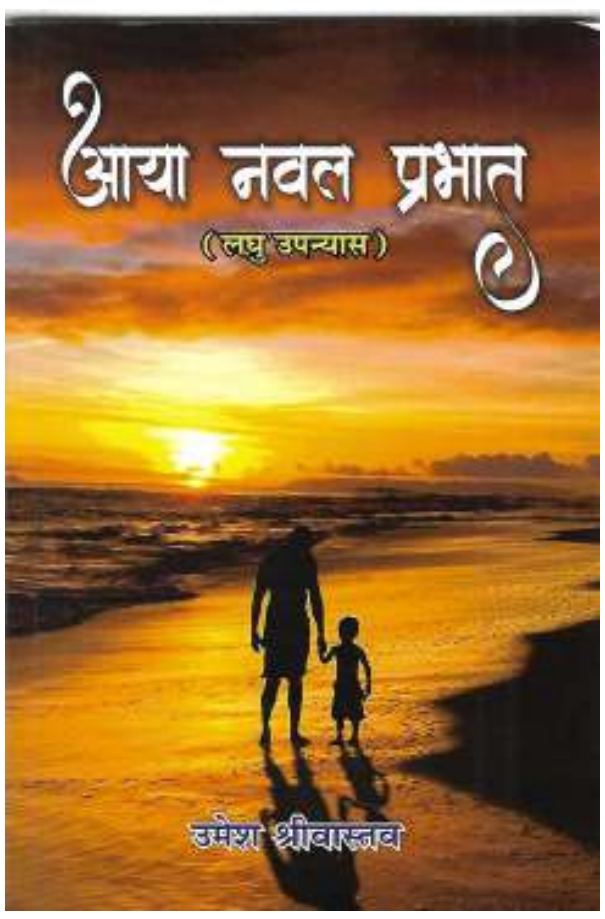

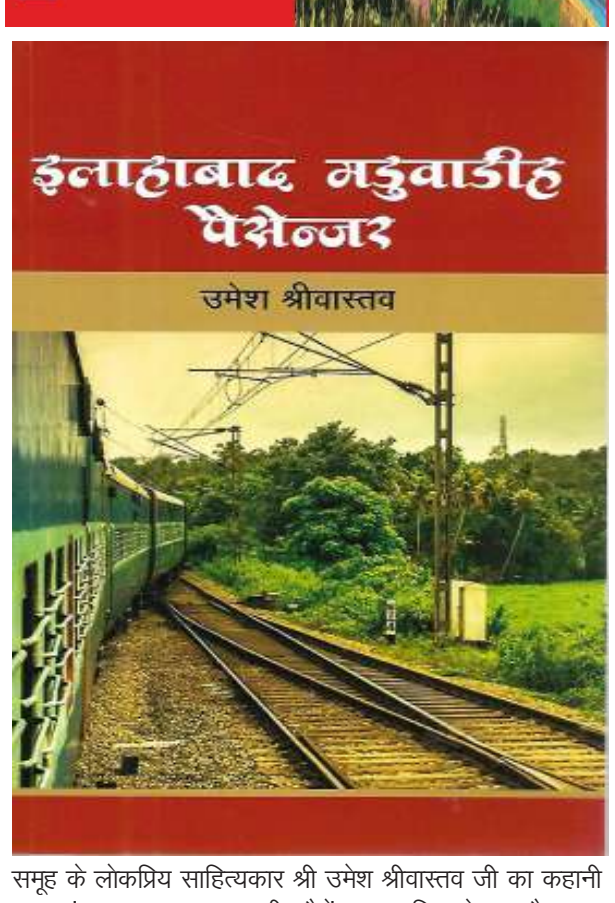

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

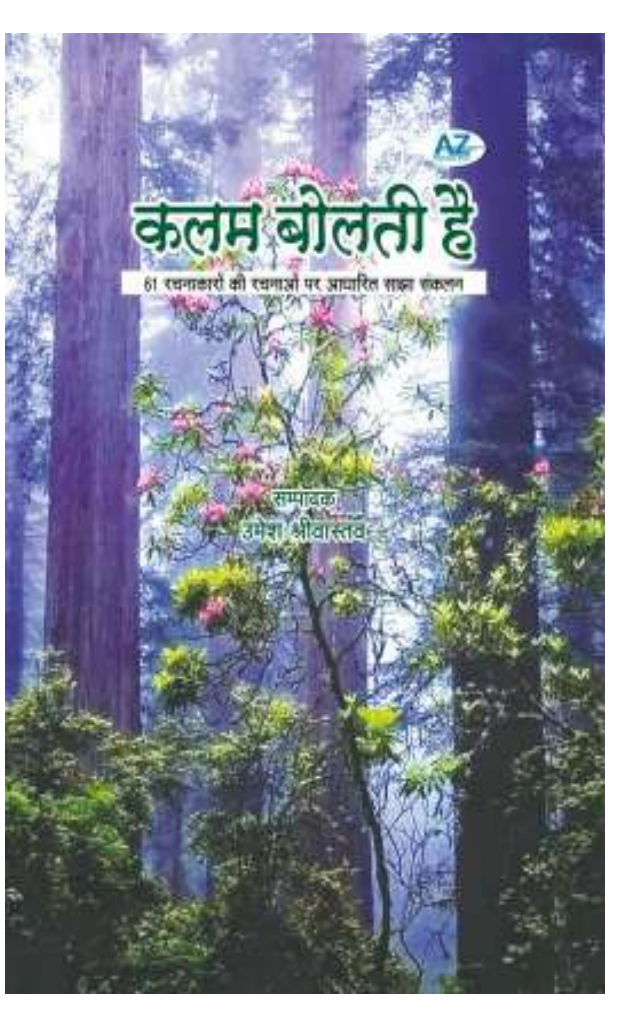

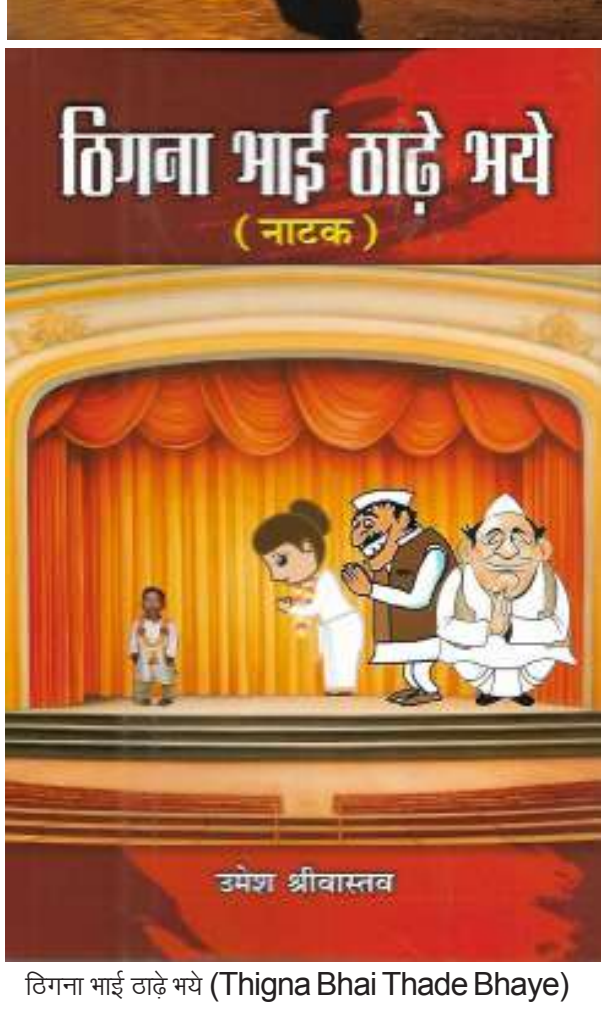

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

होर्मुज जलडमःमध्य में दोहरे हमले से बढ़ा तनाव, कुछ घंटों में दो जहाजों को बनाया गया निशाना

पीटीआई, दुबई , एजेंसी। पश्चिम एशिया के संवेदनशील समुद्री मार्ग होर्मज जलडमरूमध्य में एक बार फिर सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कुछ ही घंटों के अंतराल में दो जहाजों पर हमले की घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। सुरक्षा एजेंसी ने क्या जानकारी दी? ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (न्ड्डज्)ने सोमवार को बताया कि रविवार देर रात करीब 11रू40 बजे संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा तट के पास एक तेल टैंकर को अज्ञात प्रोजेक्टाइल से निशाना बनाया गया। एजेंसी के अनुसार, हमले में जहाज के सभी चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और किसी तरह का पर्यावरणीय नुकसान नहीं हुआ है। हालांकि, हमले के पीछे किसका हाथ है, इसे लेकर अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पिछले दिनों भी हुआ था हमला इससे पहले रविवार को ही इसी जलडमरूमध्य में एक अन्य जहाज पर भी हमला किया गया था। लगातार हो रही इन घटनाओं ने क्षेत्र में अस्थिरता को और बढ़ा दिया है, खासकर ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव के बीच। विशेषज्ञों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा कच्चा तेल गुजरता है। ऐसे में यहां किसी भी तरह की सुरक्षा चूक या हमला वैश्विक बाजारों और समुद्री व्यापार पर व्यापक असर डाल सकता है।

नासा के शक्तिशाली एआई टूल ने खोजे 100 से ज्यादा छिपे ग्रह, टेस मिशन के पहले 31 नए एक्सोप्लैनेट की पुष्टि

वारविक (यूके), एजेंसी। खगोलविदों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित नए शक्तिशाली टूल रेवन की मदद से नासा के ट्रांजिटिंग एक्सोप्लैनेट सर्वे सैटेलाइट (टीईएसएस–टेस)

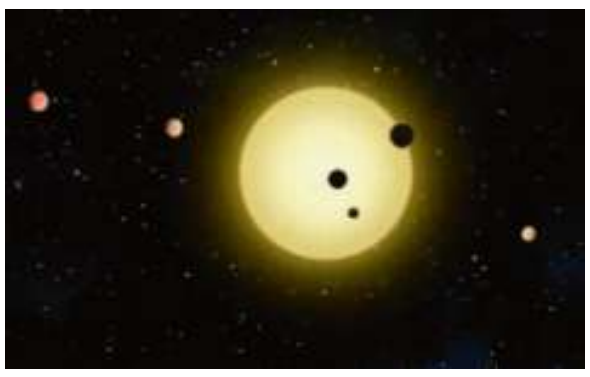

मिशन के डाटा में 100 से अधिक एक्सोप्लैनेट यानी सौर मंडल के बाहर के ग्रहों की पुष्टि की है। इनमें 31 पूरी तरह नए ग्रह शामिल हैं। इसमें ऐसे दुर्लभ और चरम ग्रह भी मिले हैं, जो अपने तारों के बेहद करीब अत्यंत तेज गति से चक्कर लगाते हैं या फिर उस रहस्यमय क्षेत्र नेप्च्यूनियन डेजर्ट में मौजूद हैं, जहां ग्रहों का मिलना बेहद कम माना जाता है। नेप्च्यूनियन डेजर्ट अर्थात अंतरिक्ष का वह क्षेत्र जहां नेप्च्यून जैसे आकार के ग्रह (मध्यम आकार के गैस ग्रह) बहुत कम पाए जाते हैं, खासकर तब जब वे अपने तारे के बेहद करीब परिक्रमा करते हों। यह अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक के खगोलविदों ने किया है।घ्इसके निष्कर्ष मंथली नोटिसेस ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी (एमएनआरएएस) जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। शोध टीम ने नासा के टेस मिशन के पहले चार वर्षों के दौरान एकत्र किए गए 22 लाख से अधिक तारों के डाटा का विश्लेषण किया। आधुनिक अंतरिक्ष मिशन हजारों संभावित ग्रहों के संकेत दर्ज करते हैं, लेकिन असली ग्रह और झूठे संकेतों में अंतर करना चुनौतीपूर्ण होता है। रेवन इसी समस्या को हल करता है। इसे लाखों सिमुलेटेड डाटा पर प्रशिक्षित किया गया है, ताकि यह पहचान सके कि चमक में कमी का कारण वास्तव में कोई ग्रह है या अन्य खगोलीय घटना। शोधकर्ताओं ने उन ग्रहों पर विशेष ध्यान दिया जो, अपने तारों के बहुत करीब परिक्रमा करते हैं और 16 दिनों से कम समय में एक चक्कर पूरा कर लेते हैं। स्टडी की प्रमुख लेखिका डॉ. मरीना लाफार्गा मैग्रो के अनुसार, रेवन पाइपलाइन की मदद से 118 नए ग्रहों की पुष्टि की गई और 2,000 से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले संभावित ग्रहों की पहचान हुई, जिनमें 1,000 नए हैं। नई खोज में कुछ खास प्रकार के ग्रह शामिल हैं। इनमें अल्ट्रा–शॉर्ट पीरियड प्लैनेट भी हैं, जो अपने तारे का चक्कर 24 घंटे से भी कम समय में पूरा कर लेते हैं। नेप्च्यूनियन डेजर्ट में पाए गए ग्रह भी शामिल हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य के पास मालवाहक जहाज पर किया गया हमला, ब्रिटिश सैन्य केंद्र ने दी चेतावनी

दुबई, एजेंसी। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस केंद्र ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट एक मालवाहक जहाज पर हमला हुआ है। यह हमला कई छोटे जहाजों द्वारा किया गया था। रविवार की रिपोर्ट में बताया गया कि ईरान के सीरिक तट के पास हुई इस घटना के बाद जहाज का पूरा चालक दल सुरक्षित है।

जहाजों को अत्यधिक सावधानी बरतने की चेतावनी केंद्र ने क्षेत्र से गुजरने वाले सभी जहाजों को अत्यधिक सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी समुद्री सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करती है। ईरानी अधिकारियों ने इस जलडमरूमध्य पर अपने नियंत्रण का दावा किया है। उन्होंने यह भी कहा है कि जो जहाज संयुक्त राज्य अमेरिका या इस्राइल से संबद्ध नहीं हैं, वे टोल का भुगतान करके यहां से गुजर सकते हैं। यह घटना समुद्री क्षेत्र में तनाव को बढ़ा सकती है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

दो हिंदू अल्पसंख्यकों का सीएसएस में चयन, अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित 123 सीटें अभी भी खाली

एजेंसी/पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के दो पुरुषों ने देश की संघीय सिविल सेवा में शामिल होने की योग्यता हासिल की है। सिंध प्रांत के जीवन रेबारी और खेम चंद जंडोरा उन 170 उम्मीदवारों में शामिल हैं, जिन्हें संघीय लोक सेवा आयोग द्वारा गुरुवार को परिणाम घोषित होने के बाद केंद्रीय सुपीरियर सेवा (सीएसएस) में शामिल होने के लिए योग्य घोषित किया गया। यह उपलब्धि ऐसे समय में मिली है जब सरकारी नौकरियों में अल्पसंख्यक समूहों का प्रतिनिधित्व ऐतिहासिक रूप से कम रहा है। 2023 की जनसंख्या जनगणना के अनुसार, 38 लाख की कुल आबादी के साथ हिंदू पाकिस्तान

का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय हैं, जो अधिकतर सिंध प्रांत में रहते हैं। अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीटें अब भी खाली पाकिस्तान की सीएसएस में अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व ऐतिहासिक रूप से कम रहा है, जिसके कारण सरकार ने समावेश बढ़ाने के लिए 2025 में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसी पहल शुरू की है। संघीय लोक सेवा आयोग के अनुसार, देशभर से 12,792 लोगों ने लिखित परीक्षा दी थी। इनमें से 355 उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए, और आगे के दौर के बाद कुल 170 उम्मीदवारों का चयन किया गया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित 123 सीटें अभी भी खाली हैं, जो इन पुरुषों की शीर्ष सूची में जगह बनाने के महत्व को और उजागर करता है। संविधान संघीय नौकरियों में अल्पसंख्यकों के लिए समान अधिकारों और पांच फीसदी कोटा की गारंटी देता है। हालांकि, उनका वास्तविक प्रतिनिधित्व कोटा सीमा से कम बना हुआ है। सीएसएस में विदेश सेवा से लेकर डाक सेवा तक 12 समूह हैं। 2022 के परिणामों के बाद राजेंद्र मेनघवार पहले हिंदू पीएसपी (पाकिस्तान पुलिस सेवा) अधिकारी बने थे। राजेंद्र की सफलता ने भी अन्य लोगों को इस क्षेत्र में शामिल होने और एक उदाहरण बनने के लिए प्रोत्साहित किया। खेम चंद के माता–पिता को अपने बेटे की शिक्षा के लिए उच्च ब्याज दरों पर कर्ज लेना पड़ा और गहने बेचने पड़े। खेम चंद जंडोरा समुदाय से संबंधा रखते हैं, जिसका नाम जंड से लिया गया है, जो भारी पत्थर की चक्की को संदर्भित करता है। यह समुदाय गेहूं पीसने और आटा बेचने के लिए इस चक्की का उपयोग करता था। खेम चंद के पिता इस समुदाय के पहले क्रांतिकारी थे, क्योंकि शिक्षा प्राप्त करना पैतृक कार्य के प्रति विद्रोह और विश्वासघात माना जाता था। खेम चंद ने बताया कि उनकी शिक्षा के खर्चों को पूरा करने के लिए उनकी मां ने अपने गहने बेचे और उनके पिता ने निजी बैंकों से उच्च ब्याज दरों पर कर्ज लिया। जीवन रेबारी की सफलता भी विशेष है क्योंकि उन्होंने अल्पसंख्यक कोटा का सहारा नहीं लिया, बल्कि उच्च अध्ययन के लिए सामान्य योग्यता पर सफलता हासिल की। संसाधनों की कमी के कारण जीवन ने एक गुरुद्वारे में शरण ली और लंगर से अपनी जरूरतें पूरी कीं। वह एक ऐसे समुदाय से आते हैं जिसका ऐतिहासिक रूप से काम पशुधन पालना और चारा व पानी के लिए गांव–गांव भटकना था। उन्होंने अपनी विश्वविद्यालय तक की शिक्षा सरकारी संस्थानों से प्राप्त की। उन्होंने 2021 में सिंध विश्वविद्यालय के विधि विभाग से एलएलबी किया और फिर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए लाहौर चले गए। जीवन ने 2023 में अपना पहला प्रयास दिया था।

'सैनिकों की कटौती के बाद भी अमेरिका के साथ जारी रखेंगे सहयोग', जर्मन चांसलर मर्ज का बयान

बर्लिन, एजेंसी। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हाल ही में हुई जुबानी जंग के बावजूद वह अमेरिका के साथ सहयोग नहीं छोड़ेंगे। पेंटागन ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह जर्मनी से लगभग 5,000 अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की योजना बना रहा है। अमेरिका की ओर से किए गए इस एलान से पहले जर्मन चांसलर मर्ज ने कहा था कि अमेरिका के पास ईरान में सैन्य कार्रवाई का कोई ठोस प्लान नहीं है और उसको ईरान के नेतृत्व से अपमान का सामना करना पड़ रहा है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने बताया कि सार्वजनिक प्रसारक एआरडी के साथ एक इंटरव्यू के दौरान मर्ज ने यह भी पुष्टि की कि अमेरिका फिलहाल जर्मनी में

टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें तैनात नहीं करेगा। हालांकि, उनका मानना है कि इस प्लान को हमेशा के लिए नहीं छोड़ा गया है। टॉमहॉक हथियार प्रणाली का वादा असल में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने 2024 में यूरोप की रक्षा को मजबूत करने के लिए किया था। सैनिकों की संख्या में कटौती की घोषणा के साथ ही कई अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स ने हाल ही में कहा कि अमेरिका ने यूरोपीय सैनिकों को मजबूत करने का प्लान भी रद्द कर दिया है। मर्ज ने कहा, अमेरिकियों के पास अभी खुद काफी सैनिक नहीं हैं। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में अमेरिका को जर्मनी का सबसे जरूरी साझेदार बताते हुए जर्मन चांसलर ने कहा कि अमेरिका के सैनिकों को वापस बुलाने के ट्रंप के फैसले की उनकी पहले की आलोचना से कोई लेना–देना नहीं है। जर्मनी से सैनिकों की वापसी पर ट्रंप ने क्या कहा था?

राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले कहा था कि अमेरिका उन 5,000 से बहुत ज्यादा सैनिकों को वापस बुलाने की योजना बना रहा है, जिनके बारे में पेंटागन ने इस हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि वे जर्मनी छोड़ देंगे। ट्रंप ने अमेरिका के दक्षिण–पूर्वी राज्य फ्लोरिडा में एयर फोर्स वन में चढ़ने से पहले मीडिया से कहा, हम बहुत कम करने जा रहे हैं और हम 5,000 से भी ज्यादा कटौती कर रहे हैं। मर्ज पर साधा था ट्रंप ने निशाना मर्ज पर निशाना साधते हुए ट्रंप ने निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें (जर्मन चांसलर को) पता नहीं वह किस बारे में बात कर रहे हैं और उन्हें ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं से कोई फर्क नहीं पड़ता। ट्रंप ने बुधवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिका जर्मनी में सैनिकों की संख्या कम करने पर विचार कर रहा है और यह फैसला अगले कुछ समय में किया जाएगा। उन्होंने गुरुवार को कहा कि वह स्पेन और इटली में भी अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी कम कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा, मुझे क्यों नहीं करना चाहिए? इटली ने कोई मदद नहीं की है। स्पेन का रवैया भी बहुत बुरा रहा है।

ट्रंप ने ईरान के साथ बातचीत को बताया सकारात्मक, कहा- निकल सकते हैं अच्छे नतीजे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि उनके प्रतिनिधि ईरान के साथ सकारात्मक बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्ट्रुथ सोशलश पर लिखा कि ये चर्चाएं सक्रिय रूप से जारी हैं और इनसे सभी के लिए बहुत अच्छे नतीजे निकल सकते हैं। ट्रंप के इस बयान से संकेत मिलता है कि दोनों देशों के बीच कूटनीतिक जुड़ाव बना हुआ है। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने भी इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत चल रही है। विटकॉफ ने यह बात ट्रंप के गोल्फ क्लब में एक कार्यक्रम के दौरान कही। उनका कहना है कि इस बातचीत का मकसद क्षेत्र में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए संभावित रास्तों की तलाश करना है। हालांकि, ट्रंप का यह ताजा रुख उनके पिछले बयानों से थोड़ा अलग है। एक दिन पहले उन्होंने ईरान के प्रस्ताव की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि वह कल्पना भी नहीं कर सकते कि ईरान का प्रस्ताव स्वीकार करने लायक होगा। ट्रंप के अनुसार, ईरान ने मानवता के खिलाफ किए गए अपने कामों की अभी तक पर्याप्त कीमत नहीं चुकाई है। ट्रंप ने एक फोन कॉल के दौरान भी दोहराया कि वह ईरान के प्रस्ताव से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ईरान समझौता तो करना चाहता है, लेकिन उनकी शर्तें ऐसी हैं जिन्हें माना नहीं जा सकता। ट्रंप ने यह भी कहा कि उनका सैन्य अभियान बहुत सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है। दूसरी तरफ, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने बताया कि उन्हें पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका का जवाब मिल गया है। ईरान इस समय अमेरिका के नजरिए की समीक्षा कर रहा है और अंतिम फैसला होने के बाद अपनी प्रतिक्रिया देगा। बघाई ने साफ किया कि ईरान का 14–सूत्रीय प्रस्ताव केवल क्षेत्र में युद्ध खत्म करने के लिए है। इसमें परमाणु मुद्दे से जुड़ी कोई बात शामिल नहीं है। ईरान का मुख्य ध्यान इस समय लेबनान सहित पूरे क्षेत्र में लड़ाई रोकने पर है। बघाई ने उन खबरों को भी खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि प्रस्ताव में होर्मुज जलडमरूमध्य से बारूदी सुरंगें हटाने की बात है। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें कुछ मीडिया संस्थानों ने मनगढ़ंत तरीके से फैलाई हैं। ईरान ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी दबाव या समय सीमा के तहत बातचीत नहीं करेगा। उनके प्रस्तावित ढांचे के अनुसार, पहले लड़ाई रुकनी चाहिए और फिर 30 दिनों के भीतर सभी बारीकियों पर चर्चा होनी चाहिए। सुरक्षा की गारंटी के मुद्दे पर बघाई ने कहा कि वे केवल दूसरे पक्ष के वादों पर नहीं, बल्कि अपनी आंतरिक शक्ति पर भरोसा करते हैं।

सूरज की ताकत धरती पर लाने की कोशिश में जर्मनी की डम्ब मशीन, सफलता दिलाएगी असीमित और सस्ती बिजली

म्यूनिख/लंदन, एजेंसी। दुनियाभर के वैज्ञानिक एक ऐसी तकनीक पर काम कर रहे हैं जो अगर सफल हो गई तो बिजली लगभग असीमित, सस्ती और बिना प्रदूषण के मिल सकती है। इसे कहा जाता है न्यूक्लियर फ्यूजन यानी वही प्रक्रिया जिससे सूरज ऊर्जा पैदा करता है। जर्मनी की स्टार्टअप कंपनी प्रोक्सिमा फ्यूजन एक अनोखा प्रयोग कर रही है। कंपनी के सीईओ फ्रांसेस्को सियोर्टिनो इसे एक डम्ब मशीन कहते हैं। ऐसी मशीन जो एक बार सही ढंग से बन जाए तो माइक्रोवेव की तरह आसानी से चल सके। न्यूक्लियर फ्यूजन में हाइड्रोजन के छोटे–छोटे कण आपस में जुड़ते हैं और इस प्रक्रिया में बहुत बड़ी मात्रा में ऊर्जा निकलती है। यही प्रक्रिया सूरज के भीतर चलती है। पृथ्वी पर इसे दोहराना बेहद कठिन है, क्योंकि इसके लिए ईंधन को बहुत ज्यादा तापमान पर गर्म करना पड़ता है, जिससे वह प्लाज्मा बन जाता है। प्लाज्मा गैस जैसी एक अत्यधिक गर्म अवस्था होती है, जिसे नियंत्रित करना बहुत चुनौतीपूर्ण होता है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार अब तक ज्यादातर फ्यूजन प्रोजेक्ट टोकामक नाम की मशीन पर आधारित रहे हैं। यह डोनट के आकार की मशीन होती है यानी इसकी संरचना एक गोल छल्ले जैसी होती है, जिसके अंदर प्लाज्मा घूमता रहता है और शक्तिशाली मैग्नेट प्लाज्मा को नियंत्रित करते हैं। लेकिन प्रोक्सिमा फ्यूजन एक अलग और ज्यादा जटिल डिजाइन पर काम कर रही है, जिसे स्टेलरेटर कहा जाता है। सबसे बड़ी चुनौती, जटिल मैग्नेट और लागत स्टेलरेटर की सबसे बड़ी चुनौती उसके जटिल मैग्नेट हैं। ये मैग्नेट खास स्टील से बनते हैं और इन्हें बहुत सटीक आकार में ढालना पड़ता है। सियोर्टिनो मानते हैं कि पहला मैग्नेट बनाना बहुत महंगा और कठिन होगा, लेकिन अगर उत्पादन तेज और सस्ता किया जा सके तभी यह तकनीक व्यावहारिक बन पाएगी। कंपनी 2028द29 तक बड़े पैमाने पर मैग्नेट बनाने की तैयारी कर रही है। यूरोप की बढ़त व भविष्य की दिशा बीबीसी रिपोर्ट के अनुसार इस परियोजना में जर्मनी के मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट जैसे संस्थानों का दशकों का अनुभव काम आ रहा है। सियोर्टिनो का मानना है ।

होर्मुज में फंसे जहाजों के लिए 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' का एलान, ट्रंप बोले- दखल दिया तो पूरे दम से निपटेंगे

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे वाणिज्यिक जहाजों की मदद के लिए एक नई पहल की घोषणा की है। डोनाल्ड ट्रंप ने इसका नाम श्प्रोजेक्ट फ्रीडमश रखा है। ट्रंप ने दावा किया है कि यह पहल दुनिया भर के उन देशों के लिए है, जिन्होंने अमेरिकी सहायता मांगी है ताकि वे इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से अपने जहाजों को सुरक्षित निकाल सकें। डोनाल्ड ट्रंप ने श्ट्रुथ सोशलश पर एक पोस्ट में बताया कि दुनिया भर के कई देशों ने अमेरिका से होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे अपने जहाजों को सुरक्षित निकालने में मदद करने का अनुरोध किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये देश पश्चिम एशिया में चल रहे विवाद में किसी भी तरह से शामिल नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ष्ईरान, पश्चिम एशिया और अमेरिका के हित में, हमने इन देशों को सूचित किया है कि हम उनके जहाजों को इन प्रतिबंधित जलमार्गों से सुरक्षित रूप से बाहर निकालेंगे, ताकि वे स्वतंत्र रूप से अपना व्यवसाय कर सकें। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया मानवीय प्रयास ट्रंप ने इस पहल को एक मानवीय प्रयास बताया, जिसका उद्देश्य चालक दल और वाणिज्यिक शिपिंग की सुरक्षा करना है। उन्होंने कहा, ष्यह अमेरिका, पश्चिम एशियाई देशों और विशेष रूप से ईरान की ओर से एक मानवीय इशारा है।ष उन्होंने यह भी बताया कि कई जहाजों में भोजन और अन्य आवश्यक सामग्री की कमी हो रही है, जो बड़े चालक दल के सदस्यों के लिए स्वस्थ और स्वच्छ तरीके से वहां रहने के लिए जरूरी है। सोमवार सुबह से शुरू होगा अभियान

श्प्रोजेक्ट फ्रीडमश के तहत जहाजों को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया सोमवार सुबह (पश्चिम एशियाई समय) से शुरू होगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि उनके प्रतिनिधि ईरान के साथ बहुत सकारात्मक चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कदम उन लोगों, कंपनियों और देशों को मुक्त करने के लिए है जिन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने कहा कि ये लोग परिस्थितियों के शिकार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस मानवीय प्रक्रिया में किसी भी तरह की दखलंदाजी के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा, ष्अगर किसी भी तरह से इस मानवीय प्रक्रिया में बाधा डाली जाती है, तो दुर्भाग्य से उस हस्तक्षेप से बलपूर्वक निपटना होगा।

पश्चिम एशिया में फिर ठनी: 15 हजार अमेरिकी सैनिक और 100 लड़ाकू विमानों की तैनाती से भड़का ईरान, दे डाली चेतावनी

तेहरान , एजेंसी। पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान ने सोमवार को अमेरिकी सेना को चेतावनी दी है कि यदि वे होर्मुज में प्रवेश करते हैं, तो उन पर हमला कर दिया जाएगा। ईरान के मुख्य सैन्य कमान खातम अल–अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने कहा, श्हम चेतावनी देते हैं कि किसी भी विदेशी सशस्त्र बल, विशेष रूप से आक्रामक अमेरिकी सेना पर हमला किया जाएगा, यदि वे होर्मुज जलडमरूमध्य में प्रवेश करने का इरादा रखते हैं। ईरान ने यह भी दावा किया कि इस जलमार्ग की सुरक्षा पूरी तरह उसके नियंत्रण में है और किसी भी जहाज के सुरक्षित मार्ग के लिए ईरानी सशस्त्र बलों के साथ समन्वय करना अनिवार्य है। अमेरिका का प्रोजेक्ट फ्रीडम अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ईरान क्यों भड़का हुआ है? दरअसल, सोमवार को अमेरिका ने होर्मुज में फंसे जहाजों को मुक्त कराने के लिए सैन्य अभियान चलाने की घोषणा की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मिशन को प्रोजेक्ट फ्रीडम का नाम दिया। ट्रंप ने कहा कि कई देशों ने अमेरिका से मदद मांगी है क्योंकि उनके व्यापारिक जहाज इस संघर्ष में बिना किसी गलती के फंसे हुए हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।